राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 141 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, शुक्रवार, 03 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

'जवाद' को लेकर अलर्ट

पीएम मोदी की अध्यक्षता में बैठक, NDRF की 62 टीमें तैनात

नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन की वजह से जवाद साइक्लोन बन रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के मुताबिक, चक्रवाती तूफान शनिवार सुबह आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटवर्ती इलाकों में पहुंच सकता है। इसे देखते हुए ओडिशा सहित तटवर्ती इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

जवाद से निपटने की तैयारियों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रिव्यू मीटिंग की। मीटिंग में कैबिनेट सचिव राजीव गाबा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई सीनियर अधिकारी मौजूद थे। साइक्लोन को लेकर सरकार अलर्ट मोड पर है। प्रधानमंत्री की मीटिंग के बाद NDRF (नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स) ने 33 और टीमों को भी तैनात कर दिया है।

NDRF के डॉयरेक्टर जनरल अतुल करवाल ने कहा- जवाद से निपटने के लिए 29 टीमों को जरूरी इलाकों में तैनात किया गया था। 33 और टीमों को भी तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा और टीमों को तैयार रखा जा रहा है। आर्मी और नेवी को भी तैयार रहने को कहा गया है। वहीं, प्रभावित होने वाले इलाकों से सभी लोगों को सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है।

ओडिशा के जिले रेड अलर्ट पर

ओडिशा सरकार ने राज्य के 13 जिलों के DM को निर्देश जारी किया है। इसमें लोगों को तटवर्ती इलाकों से बाहर निकालने और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लिए तैयार रहने को कहा है। IMD ने ओडिशा के गजपति, गंजम, पुरी और जगतसिंहपुर जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, केंद्रपाड़ा, कटक, खुर्दा, नयागढ़, कंधमाल, रायगडा और कोरापुट जिलों में 4 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

रेलवे ने रद्द की 95 ट्रेनें

रेलवे ने कहा कि उसने चक्रवाती तूफान के ओडिशा तट से टकराने की भविष्यवाणी के चलते गुरुवार से तीन दिनों के लिए 95 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। ईसीओआर के एक बयान में कहा गया है कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में विभिन्न स्थानों से चलने वाली और क्षेत्र से गुजरने वाली 95 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को 2-4 दिसंबर तक रद्द कर दिया गया है।

ओमिक्रॉन की भारत में एंट्री

बेंगलुरु में दो संक्रमित मिले, संपर्क में आए 6 लोग भी पॉजिटिव, केंद्र सरकार ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली

दुनिया के 30 देशों में पहुंचने के बाद कोरोना वायरस का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन भारत पहुंच चुका है। देश में ओमिक्रॉन के पहले दो रोगी कर्नाटक में मिले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से इन लोगों में ओमिक्रॉन संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। हेल्थ मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेट्री लव अग्रवाल ने अमेरिकी वैज्ञानिकों के रिसर्च मॉडल के हिसाब से बताया कि ओमिक्रॉन वेरिएंट तेजी से फैल सकता है।

बीटा और डेल्टा वेरिएंट को दे सकता है मात

लव अग्रवाल ने कहा कि इस वायरस का स्पाइक प्रोटीन पिछले डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले स्पाइक लेवल पर दोगुना से अधिक म्यूटेशन हैं। उसी मॉडल के आधार पर बताया कि कैसे ये वेरिएंट अपीयर करता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि ओमिक्रॉन वेरिएंट बीटा या डेल्टा वेरिएंट के संक्रमण की रफ्तार को मात दे।

ओमिक्रॉन में 45 से 52 तक म्यूटेशन

अमेरिकी वैज्ञानिकों के एक मॉडल के आधार पर इसके पूर्वानुमान में बताया गया है कि बी.1.1.529 वेरिएंट ओमिक्रॉन में बहुत अधिक तेजी से मामले सामने आने शुरू हो रहे हैं। हालांकि, यह एक मॉडल है जिस पर आगे अभी रिसर्च होनी है। लव अग्रवाल ने डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ओमिक्रॉन में 45 से 52 तक ओवरऑल म्यूटेशन नोट की गई हैं। इनमें 26 से 32 म्यूटेशन स्पाइक प्रोटीन से रिलेटेड हैं। ओमिक्रॉन के कुछ वेरिएशन डेल्टा वेरिएंट में भी पाई गई थीं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार आरटी-पीसीआर टेस्ट से इसके संक्रमण का पता लगाया जा सकता है।

अब तक 31 देशों में ओमिक्रॉन के 376 केस मिल चुके हैं

संक्रमित सभी मामलों में अब तक हल्के लक्षण पाए गए हैं

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा - अभी लॉकडाउन की जरूरत नहीं

मेदांता के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन ने बताया कि ओमिक्रॉन वायरस के 2 भाग संक्रमण और विषाणु चिंता का विषय हैं। डॉ. त्रेहन ने बताया कि ओमिक्रॉन का R0 फैक्टर 12-18 गुना या इससे भी अधिक संक्रामक हो सकता है। इसका मतलब है कि यह बहुत खतरनाक तरीके से फैल सकता है। उन्होंने कहा कि अभी, हमारे पास इसकी सटीक डिटेल नहीं है।

WHO का कहना है कि अभी तक किसी तरह के खास लक्षण सामने नहीं आए हैं, लेकिन इस वैरिएंट को सबसे पहले पहचानने वाली दक्षिण अफ्रीका की डॉ. एंजेलिक कोएट्ज़ी के मुताबिक, ओमिक्रॉन के 'असामान्य, लेकिन हल्के' लक्षण देखे जा रहे हैं। डॉ. एंजेलिक का कहना है कि ओमिक्रॉन के लक्षण डेल्टा से अलग हैं। कोरोना के दूसरे वैरिएंट से इन्फेक्ट होने पर स्वाद और सूंघने की क्षमता पर असर पड़ता था, लेकिन ओमिक्रॉन के मरीजों में ये लक्षण नहीं देखा जा रहा है। साथ ही गले में खराश तो रहती है, लेकिन कफ की शिकायत देखने को नहीं मिल रही है। फिलहाल ओमिक्रॉन को लेकर पूरा देश सतर्क हो गया है और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं की समीक्षा की जानी लगी है।

'डरें नहीं, मास्क पहनें'

संयुक्त सचिव अग्रवाल ने कहा कि कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट के अभी तक कोई गंभीर लक्षण रिकॉर्ड नहीं किए गए हैं। डॉ वी.के. पॉल ने कहा कि अभी लॉकडाउन की जरूरत नहीं है। जो नई चुनौती है, उसका हम मुकाबला करेंगे और इसके लिए हमारे पास सभी चीज़ें उपलब्ध है। हमें डरना नहीं है। लोगों की ज़िम्मेदारी हैं कि वे मास्क पहनें।

Short News एक नजर

दिल्ली एयरपोर्ट पर मिले चार पॉजिटिव यात्री

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार को जोखिम वाले देशों से पहुंचे चार और यात्री कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। जानकारी के मुताबिक एयर फ्रांस की उड़ान से आए 243 लोगों में से तीन की जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके अलावा एक अन्य लंदन से आई उड़ान में 195 अन्य यात्रियों के साथ आए एक व्यक्ति की जांच में वह संक्रमित मिला। इन यात्रियों के नमूनों को राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के पास यह पता करने के लिए भेजा गया है कि क्या यह संक्रमण कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन का है या नहीं।

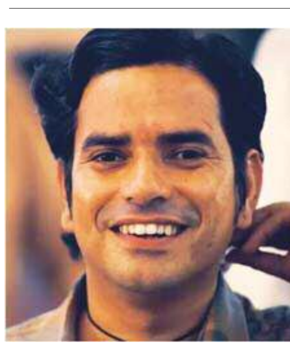

'मिर्जापुर' के 'ललित' ब्रह्मा मिश्रा की मौत

मुंबई। पॉप्युलर वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में ललित का किरदार निभाने वाले एक्टर ब्रह्मा मिश्रा का निधन हो गया है। ब्रह्मा मिश्रा का शव मुंबई में उनके फ्लैट के बाथरूम में मिला है। इसके बाद उनके शव को कूपर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। ब्रह्मा मिश्रा के फ्लैट से बदबू आने पर लोगों ने पुलिस को इस बात की जानकारी दी थी। पुलिस ने फ्लैट के अंदर जाकर देखा तो ब्रह्मा मिश्रा का शव बाथरूम में पड़ा था। ब्रह्मा मिश्रा ने 29 नवंबर को सीने में दर्द की शिकायत की थी और एक डॉक्टर ने उन्हें दवा लेने के बाद घर भेज दिया था। रिपोर्टों का दावा है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि मौत का कारण क्या है।

DSP पर गैंगरेप का आरोप

कोटा। राजस्थान पुलिस की वर्दी पर एक बार फिर गुरुवार को बड़ा बदनामी का दाग लगा है। कोटा में निलंबित चल रहे पुलिस उपाधीक्षक और पूर्व सरपंच के खिलाफ गैंगरेप का मामला हुआ दर्ज है। दोनों के खिलाफ एक महिला कांस्टेबल ने परिवाद दिया है। 2 दिन पहले यह परिवाद कोटा पुलिस अधीक्षक को दिया गया था। इसके बाद कोटा शहर के बोरखेड़ा थाने में निलंबित पुलिस उपाधीक्षक और पूर्व सरपंच के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज किया गया है।

UPA खत्म वाले बयान पर

ममता को कांग्रेस ने चौतरफा घेरा

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के UPA खत्म वाले बयान पर सियासत गर्मा गई है। ममता ने बुधवार को महाराष्ट्र में राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात के बाद कहा था कि UPA खत्म हो गया है। राहुल पर भी तंज कसते हुए कहा था कि कोई विदेश में रहता है, कुछ करता नहीं तो कैसे चलेगा।

अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने UPA में कांग्रेस की जरूरत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के बिना UPA ऐसा है, जैसे बिना आत्मा का शरीर। ममता बनर्जी के बयान पर उन्होंने कहा कि यही वक्त है, जब विपक्ष को अपनी एकता दिखानी चाहिए। कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने भी ममता पर चौतरफा हमला बोला है।

महाराष्ट्र कांग्रेस ने कहा- राहुल गांधी की आलोचना कर भाजपा से नहीं लड़ सकते

महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहब थोरात ने भी ममता के बयान पर ऐतराज जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भाजपा के अन्याय के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की है, उसे पूरा देश जानता है। राहुल गांधी की आलोचना कर कोई भी पार्टी भाजपा के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ सकती है। अगर कोई पार्टी अपने फायदे और कोई अपने व्यक्तिगत लाभ को देख रहा है तो ऐसा बिल्कुल नहीं कर सकता है। देश में लोकतंत्र का एकमात्र विकल्प कांग्रेस है।

'विपक्ष का नेतृत्व कांग्रेस का दैवीय अधिकार नहीं'

देश की राजनीति में विपक्ष के नेतृत्व को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इस सियासी जंग में जहां टीएमसी दावा ठोक रही है वहीं कांग्रेस खुद को सबसे बड़ी पार्टी होने का हवाला दे रही है। अब इसे लेकर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की भी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेतृत्व पर सीधे हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस पिछले 10 साल में अपने 90 फीसदी चुनाव हारी है। ऐसे में विपक्ष का नेतृत्व कांग्रेस का दैवीय अधिकार नहीं हो सकता।

श्रीकृष्ण नगरी मथुरा में धारा 144

शाही मस्जिद में भगवान कृष्ण के जलाभिषेक के ऐलान से गर्माया माहौल

आगरा

यूपी में चुनावी माहौल के बीच बाबरी विध्वंस की बरसी पर हिंदू संगठनों का फोकस इस बार अयोध्या के बदले मथुरा पर शिफ्ट हो गया है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने 6 दिसंबर को शाही ईदगाह मस्जिद में भगवान कृष्ण का जलाभिषेक करने का ऐलान किया है जिसके बाद तनाव की आशंका में आगरा से पुलिस फोर्स भेजी गई है। मथुरा प्रशासन ने अखिल भारत हिंदू महासभा की शाही ईदगाह मस्जिद में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करने के लिए संकल्प यात्रा की घोषणा के बाद धारा 144 लागू कर दी है। इसके साथ ही मथुरा शहर में सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है और इसके लिए आगरा से 2100 पुलिसकर्मी और पैरामिलिट्री जवान को बुलाया गया है। मथुरा की सुरक्षा के लिए 4 एएसपी, 10 सीओ, 40 इंस्पेक्टर व एसएचओ, 230 दरोगा, 1 हजार सिपाही और 10 कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स को तैनात किया गया है।

हिंदू महासभा ने कहा था कि वह भगवान श्रीकृष्ण के वास्तविक जन्मस्थान पर उनकी मूर्ति स्थापित करेगी। वहीं दक्षिणपंथी संगठन नारायणी सेना ने कहा है कि वह मस्जिद को हटाने की मांग को लेकर विश्राम घाट से श्रीकृष्ण जन्मस्थान तक मार्च निकालेगी। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश कौशिक ने कहा है कि शाही ईदगाह तो अतिक्रमण करके बनाई गई है, पहले तो वहां राजा कंस की जेल थी जहां भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था।

वहीं इस मामले को लेकर जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने कहा कि कानून-व्यवस्था को बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस ने कई लोगों की गिरफ्तारियां भी की हैं।

फिर CAA की सुगबुगाहट

पीएम मोदी से मिलेगा भाजपा सांसदों का दल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल भाजपा चाहती है कि जल्द से जल्द सीएए के नियम बनाए जाएं और इसे लागू किया जाए। इस मांग को लेकर शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद सुकांता मजूमदार ने कहा कि हम शुक्रवार को पीएम से मिल रहे हैं और उसमें सीएए भी एक मुद्दा रहेगा।

बंगाल में धर्म की वजह से अधिक लोग प्रताड़ित

सांसद सुकांता मजूमदार ने कहा कि हम पीएम से अपील करेंगे कि सीएए के रूल्स रेगुलेशन जल्द बनाएं और उसे लागू करें। बंगाल के बहुत सारे लोग जो धर्म की वजह से प्रताड़ित हुए, बांग्लादेश से आकर पश्चिम बंगाल में बसे हुए हैं, उनके पास वोटर कार्ड भी है, उनके पास आधार कार्ड भी है लेकिन वे भी जानते हैं कि उन्हें किस तरह जोड़ तोड़ कर इसका जुगाड़ करना पड़ा। उन लोगों को सम्मान के साथ नागरिकता मिले और वे शांति से इस देश में रह सकें।

जल्द से जल्द बने नियम

भाजपा सांसद ने कहा कि जैसे महात्मा गांधी ने बताया था कि जो हमारे भाई हैं और किसी वजह से भारत में नहीं आ पाए थे, अगर वे कभी खतरे में आएं तो उनकी सहायता करना हमारा धर्म है। सुकांता मजूमदार ने कहा कि इसी मकसद को पूरा करने के लिए सीएए बनाया गया है।

सीमा पर तनाव कम करेंगे भारत और चीन!

मध्य दिसंबर में हो सकती है कोर कमांडर स्तर की वार्ता

नई दिल्ली

चीन के साथ सीमा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चल रहे गतिरोध को हल करने के लिए भारत और चीन दिसंबर के दूसरे हिस्से में 14वें दौर की कोर कमांडर वार्ता आयोजित कर सकते हैं। बातचीत के लिए आमंत्रण चीनी पक्ष की तरफ से आना है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि संभावना है कि वार्ता दिसंबर के दूसरे भाग यानी 15 तारीख के बाद ही होगी। सूत्रों ने कहा कि यह समय भारत के लिए उपयुक्त होगा क्योंकि सुरक्षा बल 16 दिसंबर तक साल 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की करारी हार पर स्वर्ण जयंती समारोह के तहत हो रहे कार्यक्रमों में व्यस्त रहेंगे। विवाद सुलझाने के लिए भारत और चीन के बीच बातचीत चल रही है। गतिरोध हल करने के लिए पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अब तक बातचीत के 13 दौर हो चुके हैं।

हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में समाधान की तलाश में दोनों देश

दोनों पक्ष इस समय संघर्ष के बिंदु हॉट स्प्रिंग्स में समाधान की तलाश कर रहे हैं जहां पिछले साल चीनी सेना की आक्रामकता की वजह से हालात गंभीर हुए थे। सूत्रों ने बताया कि संघर्ष के बिंदु रहे पैंगोंग त्सो झील का तट पर और गोगरा हाइट्स पर विवाद सुलझा लिया गया है। लेकिन हॉट स्प्रिंग्स का मुद्दा अभी भी बाकी है। भारत सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार शांति स्थापित करने की मांग कर रहा है।

अयोध्या को बम से उड़ाने की मिली धमकी

अयोध्या। राम की नगरी को बम से उड़ाने की धमकी सोशल मीडिया पर मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां और प्रशासनिक अमले ने अयोध्या में सघन जांच शुरू कर दी है। अयोध्या के सभी प्रवेश द्वार, होटल, धर्मशालाओं और प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस के अतिरिक्त सीआरपीएफ के जवान और एटीएस दस्ता पूरी तरह सक्रिय हो गया है। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, राम नगरी में आतंकी हमले का इनपुट मिलने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है।

सीओ अयोध्या आरके चतुर्वेदी के मुताबिक, सोशल मीडिया और वॉट्सऐप पर चल रही आतंकी हमले की धमकी की सूचना पर शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। संवेदनशील मंदिरों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे शहर में सीआरपीएफ और एटीएस दस्ता को सक्रिय रखा गया है।

उन्होंने बताया कि ऐसी किसी धमकी की प्रशासन के पास कोई पुष्ट सूचना नहीं है, फिर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

IPL में बगावत के सुर

मेगा ऑक्शन का ड्रामा बंद करने की अपील

मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के लिए मेगा ऑक्शन होने जा रहा है। लेकिन इससे पहले टीम एडमिनिस्ट्रेशंस की तरफ से IPL की मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ बगावत के सुर सुनाई देने लगे हैं। टीमों ने रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट सौंप दी है, पर उनका मानना है कि अब खिलाड़ियों का मेगा ऑक्शन नहीं होना चाहिए। अब इसे खत्म करने पर विचार करने का समय आ गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य अधिकारी वेंकी मैसूर और दिल्ली कैपिटल्स के पार्थ जिंदल का मानना है कि IPL की बड़ी नीलामी अब उतनी उपयोगी नहीं रही।

अब नीलामी की जरूरत नहीं

दोनों अधिकारियों ने कहा कि अब बड़ी नीलामी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बड़ी नीलामी सभी के लिए एक समान नहीं रही। मैसूर ने कहा, लीग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ आ रहा है, जहां आपको यह सवाल करना होगा कि क्या एक बड़ी नीलामी की जरूरत है। आने वाले नए खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्ट तय किए जा सकते हैं या फिर आपसी सहमति से उन्हें ले सकते हैं। खिलाड़ियों को लोन पर लिया जा सकता है और हमें लंबे समय के लिए टीम बनाने की अनुमति दे सकते हैं।

मैसूर ने कहा कि IPL टीमों के पास अपनी-अपनी एकेडमी है और अपनी स्काउटिंग प्रणाली है, जो युवा और अनकैप्ड प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती है।

जंग के दौरान नई वर्दी में दिखेंगे सेना के जवान

नई दिल्ली

सेना अगले साल से अपने जवानों के लिए एक हल्की और अधिक जलवायु अनुकूल वर्दी पेश करने के लिए तैयार है, जिसे लड़ाई के दौरान पहना जा सकेगा । इस मामले से परिचित व्यक्तियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नयी वर्दी 15 जनवरी को सेना दिवस परेड में प्रदर्शित होने की उम्मीद है।

पता चला है कि कई देशों की सैन्य वर्दी पर व्यापक विचार-विमर्श और विश्लेषण के बाद इस नयी वर्दी को अंतिम रूप दिया गया है। भारत में करीब 13 लाख जवान हैं और डिजिटल डिस्ट्रक्टिव पैटर्न पर सेना अब लड़ाई के लिए नई वर्दी पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि नयी वर्दी अधिक टिकाऊ होने के साथ-साथ गर्मी और सर्दी दोनों में आरामदायक होगी। इसे सैनिकों की तैनाती के क्षेत्रों और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। नौसेना ने पिछले साल नयी वर्दी पेश की थी।

आर्मी के जवानों के नए ड्रेस में शर्ट को पैंट के अंदर (अंडरशूटिंग) नहीं डाला जाएगा। सेना की कोशिश यह है कि जवानों के लिए लड़ाई के दौरान कंफर्टेबल कपड़े पेश किया जाए। यह अभी क्लियर नहीं है कि सेना के जवानों/अधिकारियों की वर्दी पर स्टार, बैच और अन्य चीजें रहेंगी या नहीं। इस बारे में एक अधिकारी ने कहा कि जवानों के लिए आरामदेह वर्दी पेश करना इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य है।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि सेना की नई वर्दी में कई ऐसे रंगों का इस्तेमाल किया गया है जो उन्हें लड़ाई के दौरान छिपने में मदद करेगी।

अमेरिका में मिशिगन के स्कूल में छात्र ने की फायरिंग, 3 छात्रों की मौत, कई घायल

अमेरिका। अमेरिका में मिशिगन के हाई स्कूल में एक 15 वर्षीय नाबालिग छात्र ने फायरिंग कर दी। घटना में तीन छात्रों की मौत हो गई और 8 अन्य लोग घायल हैं। मृतकों में एक 16 साल का लड़का और 17 व 14 साल दो लड़कियां शामिल हैं। घायलों में एक शिक्षक और 7 छात्र शामिल हैं। घायल हुए लोगों की हालत गंभीर मानी जा रही है, जिनकी सर्जरी की जा रही है और अन्य छह की हालत स्थिर है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी घटना पर दुख जाहिर किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी जाहिर की है।

आरोपी हुआ गिरफ्तार

जानकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हमला करने वाला आरोपी स्कूल का ही छात्र था और उसने पूरी घटना को अकेले ही अंजाम दिया। आरोपी से एक पिस्तौल बरामद हुई है। यह पूरी घटना पांच मिनट तक चली, जिसमें आरोपी ने एकसाथ 15 से 20 फायर किए। ओकलैंड काउंटी के अंडरशेरिफ माइकल जी. मैककेबे ने कहा कि स्कूल प्रशासन ने घटना के बाद जैसे लोगों और छात्रों को संभाला वह प्रशंसनीय है।

मामले की जांच कर रही पुलिस

पुलिस ने बताया कि घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी ने पुलिस के सामने कुछ भी स्वीकार नहीं किया है और वकील देने की मांग की है। ओकलैंड काउंटी अभियोजक करेन मैकडॉनल्ड्स ने एक बयान में कहा कि मामले में जल्द से जल्द जांच पूरी करके आरोपी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे उसे सख्त सजा दी जाए। वहीं , सोशल मीडिया पर कई छात्रों ने घटना का वीडियो भी पोस्ट किया है।

भारतीय अमेरिकी एनजीओ सहायक प्रौद्योगिकी की डिजिटल प्रदर्शनी शुरू करेगा

वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी व्यक्ति के नेतृत्व वाले एक गैर लाभकारी निकाय ने दिव्यांगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों की एक डिजिटल प्रदर्शनी शुरू करने की घोषणा की है। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि वॉइस ऑफ एसएपी (वीओएसएपी) की डिजिटल प्रदर्शनी की शुरुआत विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी पांच दिसंबर को करेंगी। वीओएसएपी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में बताया कि इस मंच का लक्ष्य निवेशकों, नवोन्मेषकों, आपूर्तिकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और उपभोक्ताओं को सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) समाधानों को अपनाने में तेजी लाने और दिव्यांगों को सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए साथ लाना है।

ओमीक्रोनः अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच संबंधी नियम कड़े करने पर विचार कर रहा है अमेरिका

वाशिंगटन। कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने देश में आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच संबंधी नियम कड़ा करने का फैसला किया है। नए नियम टीकाकरण करा चुके लोगों पर भी लागू होंगे। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र (सीडीसी) ने एक बयान में कहा कि वह एक नए नियम पर विचार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिका आने वाले सभी हवाई यात्रियों को विमान में सवार होने से एक दिन पहले कोविड-19 संबंधी जांच करानी होगी। टीकाकरण करा चुके लोग उड़ान से अधिकतम तीन दिन पहले की गई जांच की रिपोर्ट दिखा सकते हैं।

एजेंसी ने कहा, '' ओमीक्रोन के बारे में अधिक जानकारी हासिल होने के कारण सीडीसी यात्रा के लिए वर्तमान वैश्विक परीक्षण आदेश को संशोधित करने के लिए काम कर रहा है। नए आदेशानुसार अमेरिका आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को उड़ान भरने से एक दिन पहले जांच करानी होगी।''

प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सर्दियों के मौसम में कोविड-19 वैश्विक महामारी को नियंत्रित करने की राष्ट्र की योजनाओं के संबंध में बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति जो बाइडन के भाषण से पहले, सटीक परीक्षण नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं। सीडीसी के निदेशक डॉक्टर रोचेल वालेंस्की ने कहा, '' सीडीसी मूल्यांकन कर रहा है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा को यथासंभव सुरक्षित कैसे बनाया जाए, जिसमें उड़ान भरने से पहले परीक्षण, आगमन के बाद परीक्षण और पृथक-वास व्यवस्था पर गौर किया जा रहा है।'' नाम उजागर नही करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि आगमन के बाद जांच और स्वयं पृथक-वास में रहने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। सीडीसी ने अभी विदेश से अमेरिका आने वाले यात्रियों को तीन से पांच दिन बाद जांच कराने और जिन लोगों ने टीके नहीं लगवाए हैं, उन्हें पृथक-वास में रहने का सुझाव दिया है। हालांकि, ये वैकल्पिक है और ऐसा करने वालों की दर काफी कम है।

पाक राष्ट्रपति अल्वी ने माना- बेटे के कारोबार के लिए गवर्नर हाउस का इस्तेमाल गलत फैसला था

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने कहा कि अपने पारिवारिक कारोबार के वास्ते एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कराची में 'गवर्नर हाउस' का चयन करना एक गलत फैसला था। सोशल मीडिया पर इसके लिए अल्वी की आलोचना हो रही है। एक तस्वीर वायरल हुई है जिसमें पेशे से दंत चिकित्सक अल्वी, उनकी पत्नी

सायमा अल्वी उस दौरान मौजूद हैं जब 'अल्वी डेंटल अस्पताल' और एक अमेरिकी कंपनी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो रहे हैं। इस समझौते पर सोमवार को उनके बेटे अवाब अल्वी हस्ताक्षर कर रहे हैं और यह समारोह कराची में स्थित सिंध के गवर्नर हाउस में हो रहा था। इसका मकसद लोगों को किफायती दर पर दंत देखभाल मुहैया कराना है। गौरतलब है कि यह तस्वीर उनके बेटे ने ही सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी और राष्ट्रपति ने उन्हें मुबारकबाद भी दी थी लेकिन राजनीतिक नेताओं और सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद आरिफ अल्वी ने कहा , पारिवारिक कारोबार के वास्ते एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए गवर्नर हाउस का चयन करना एक गलत फैसला था।

ओमिक्रोन चिंताओं के बीच, जापान ने की कोविड-19 का बूस्टर डोज देने की शुरुआत

टोक्यो। कोरोना वायरस के वैश्विक महामारी से जहां अभी भी पूरी दुनिया लड़ रही है। वहीं कोविड-19 का एक नया वैरिएंट ओमिक्रोन तमाम देशों की चिंता और बढ़ा रही है। ऐसे में जापान ने ओमिक्रॉन की चिंताओं के बीच कोविड-19 का बूस्टर डोज देना शुरू किया है। जापान ने बुधवार को सबसे पहले उन लोगों को कोविड-19 का बूस्टर इंजेक्शन देना शुरू किया, जिन्होंने कम से कम आठ महीने पहले अपने दोनों डोज पूरे कर लिए थे। आपको बता दे कि जापान ने ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़ते खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया है, क्योंकि महामारी के इस संकट में टीकाकरण ही सबसे बड़ा हथियार है। दक्षिणी अफ्रीका में पाए गए कोविड-19 के नए घातक वैरिएंट ओमिक्रोन से पूरी दुनिया चिंतित है और इस नए वेरिएंट से बचने के लिए देश-विदेश में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण प्रक्रिया तेज़ कर दी गई है।

क्या कहा देश की सरकार ने सरकार ने बताया कि फाइजर और

बायोएनटेक एसई द्वारा विकसित टीके की तीसरी खुराक देश भर के स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े कर्मचारियों को प्रदान की गई, जबकि बुजुर्गो और अन्य लोगों को जनवरी से बूस्टर इंजेक्शन मिलने की उम्मीद जताई गई है। हालांकि बूस्टर शॉट्स इस बात को प्रमाणित नहीं करता है की यह ओमिक्रॉन वैरिएंट से लड़ने में कितना कारगार है। लेकिन यह वायरस से लड़ने में मददगार साबित होगा। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने फैसला किया है कि जापान बूस्टर डोज को शेड्यूल के अनुसार प्रशासित करेगा, क्योंकि संक्रमण के खिलाफ टीका-प्रेरित प्रतिरक्षा समय के साथ कमजोर होने की पुष्टि हुई थी।

बूस्टर शॉट देने के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित

जापान की वर्तमान नीति के तहत 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति तीसरे इंजेक्शन के लिए पात्र होंगे, जबकि बुजर्गो और जिन लोगों में उच्च जोखिम वाले गंभीर लक्षण होंगे उन्हें विशेष रूप से बूस्टर शॉट प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि इस दौरान, देश में पहले और दूसरे शॉट बिना टीकाकरण वाले लोगों को दिए जाते रहेंगे।

फिलहाल सरकार ने फाइजर वैक्सीन को अब तक बूस्टर इंजेक्शन के लिए इस्तेमाल होने वाले एकमात्र वैक्सीन के रूप में मंजूरी दी है, जिसमें कहा गया है कि बूस्टर वैक्सीन पिछले दो इंजेक्शनों से अलग ब्रांड का हो सकता है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जापान में दो कोविड ????-19 वैक्सीन शॉट्स के साथ जनसंख्या की दर 75 फीसद से अधिक थी, जबकि देश भर में नए कोविड-19 संक्रमण के मामलों में मंगलवार को केवल 132 की गिरावट दर्ज की गई है।

ब्रिटेन के खुफिया प्रमुख ने रिचर्ड मूर ने चीन, रूस, ईरान और आंतकवाद को बताया 4 बड़े खतरे

लंदन। ब्रिटेन के खुफिया प्रमुख ने एक दुर्लभ सार्वजनिक भाषण में कहा कि चीन, रूस, ईरान और अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद नाटकीय बदलाव के इस दौर में 'बड़े चार' सुरक्षा खतरे हैं। ब्रिटिश विदेशी खुफिया सेवा एमआई6 के प्रमुख रिचर्ड मूर ने कहा कि चीन जैसे देश

संप्रभुता और लोकतंत्र को खत्म करने के लिए ''कर्ज के जाल, डेटा खुलासे' का उपयोग कर रहे हैं। पिछले साल कार्यभार संभालने के बाद से अपने पहले सार्वजनिक भाषण में खुफिया प्रमुख ने कहा कि यह खतरों की बदलती प्रकृति है जिसके लिए अधिक खुलेपन की आवश्यकता है, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'डिजिटल युग में मानव खुफिया' विषय पर दुर्लभ संबोधन के लिए प्रेरित किया। मूर ने लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्ट्डीज में अपने संबोधन में कहा कि रूस, चीन और ईरान लंबे समय से तीन बड़े खतरे रहे हैं तथा चौथा बड़ा खतरा अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद है। उन्होंने अपने भाषण में रूस, ईरान और चीन से विभिन्न तरह के खतरे की प्रकृति का उल्लेख किया।

कनाडा में भी पहुंचा ओमिक्रोन वैरिएंट, पुष्टि होने के बाद कुछ और देशों पर लगाया ट्रैवल बैन

ओटावा। कनाडा में भी कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन का पहला मरीज मिलने की पुष्टि वहां के स्वास्थ्य विभाग ने की है। इस बीच इसके खतरे को देखते हुए कनाडा ने मिस्त्र, नाइजीरिया और मलावी को भी उन देशों की सूची में शामिल किया है जिनसे वो पहले ही ट्रैवल बैन कर चुका है। आपको बता दें कि दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन वैरिएंट की पुष्टि नवंबर की शुरुआत में ही हो गई थी।

इसके बाद से ये अब तब दुनिया के दस देशों में फैल चुका है। अफ्रीका के कई देशों में इसके मामले सामने आने के बाद कई देशों ने यहां के देशों पर ट्रैवल बैन किया है। इजरायल ने तो इस वैरिएंट के खतरे को देखते हुए अपनी सीमाओं को सील करने जैसा बड़ा फैसला ले लिया है। आस्ट्रेलिया ने भी जरूरत पड़ने पर इसी तरह का फैसला लेने की बात कुछ ही दिन पहले की थी।

इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से ये अपील की गई है कि वो ओमिक्रोन के मामले सामने आने वाले देशों पर ट्रैवल

बैन जैसे प्रतिबंध न लगाएं बल्कि दूसरे एहतियाती उपाय करें। हालांकि संगठन की चीफ की तरफ से की जा रही इस अपील का अब तक कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। कनाडा के अल्बार्टा में ये पहला मामला सामने आया है। यहां के चीफ मेडिकल आफिसर डीना हिंगशा के मुताबिक देश में ओमिक्रोन का पहला मरीज सामने आया है। उनके मुताबिक ये मरीज नाईजीरिया और नीदरलैंड से वहां पर आया है। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि ये व्यक्ति देश में आने के बाद क्वारंटीन नहीं हुआ था। उसकी जांच में उसके पाजीटिव पाए जाने की पुष्टि हुई है। ये मरीज असिंप्टोमेटिक बताया जा रहा है। गौरतलब है कि ओमिक्रोन को लेकर लगातार दुनिया में एक दहशत का माहौल बना हुआ है। इसको बेहद खतरनाक बताया जा रहा है।

कोविड-19 के दौरान गरीबों को बांटे गए खराब खाद्य पदार्थ, आडिट रिपोर्ट में सामने आई इमरान सरकार की करतूत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की इमरान सरकार को लगातार चौतरफा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहले ही कई मुद्दों पर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो रहा है। वहीं अब सामने आई आडिट रिपोर्ट ने इमरान खान सरकार की मुश्किलों को और बढ़ाने के अलावा विपक्ष को भी बैठे बिठाए एक मुद्दा दे दिया है। दरअसल इस आडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी में देशवासियों को राहत योजनाओं में जबरदस्त वित्तीय अनियमितता बरते जाने का खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि इस दौरान जो खाना दिया गया और जो इस पर खर्च किया गया वो सही तरीके से नहीं किया गया। डान न्यूज पेपर की खबर के मुताबिक इस रिपोर्ट को पाकिस्तान सरकार के वित्त मंत्रालय ने जारी किया है।इस रिपोर्ट में यहां तक बताया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान कहां-कहां गड़बड़ी हुई है। इसमें कहा गया है कि सरकार ने चीनी, गेंहू का आटा, तेल, घी, दाल और चावल को सब्सीडाइज रेट पर यूटिलिटी स्टोर को उपलब्ध करवाया था, जिसमें ये वित्तीय

गड़बड़ी की रिपोर्ट सामने आई है। इतना ही नहीं इस रिपोर्ट में यहां तक कहा गया है कि इस दौरान स्टोर कारपोरेशन आफ पाकिस्तान (यूएससी) की तरफ से जो खाने की चीजें गरीब लोगों को मुहैया करवाई गई उनकी गुणवत्ता बेहद खराब थी और वो इंसानों के खाने लायक नहीं थीं। गौरतलब है कि यूएससी देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार है। इसके जरिए ही गरीब लोगों को बाजार भाव से सस्ती दर पर खाद्य पदार्थ मुहैया करवाए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी, घी और और आटे की खरीद में करीब 5.24 बिलियन रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितता बरती गई।

आपको बता दें कि इमरान सरकार ने वर्ष 2020 में ही कोविड-19 महामारी के दौरान बढ़ती महंगाई के मद्देनजर गरीबों के लिए सहायता पैकेज की घोषणा की थी। इसके लिए सरकार ने करीब 10 बिलियन रुपये यूएससी को रिलीज किए थे। ये राशि गरीबों को सस्ती दर पर अनाज उपलब्ध कराने के मकसद से जारी की गई थी। रिपोर्ट बताती है कि यूएससी ने इस योजना के तहत खाद्य पदार्थों की जो खरीद की उसकी गुणवत्ता को लेकर कोई विचार नहीं किया। इनकी गुणवत्ता बेहद खराब थी।

ऑस्ट्रेलियाई संसद को लेकर शर्मनाक खुलासाः नशे में धुत्त रहते हैं सांसद, 63 फीसदी महिला मेंबर यौन उत्पीड़न की शिकार

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद महिला कर्मचारियों के साथ यौन उत्पीड़न का अड्डा बन चुकी है। यह चौंकाने वाला शर्मनाक खुलासा ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब संसद के अंदर 63 महिला सांसद यौन उत्पीड़न का शिकार हुई हैं। इस रिपोर्ट में 33 अलग-अलग संगठनों के 1723 लोगों ने बताया कि संसद के 33 फीसदी कर्मचारी कम से कम एक बार यौन उत्पीड़न का शिकार हुए हैं। वहीं 51 फीसदी प्रताड़ना या रेप की कोशिश के शिकार हुए हैं। सरकार की एक पूर्व सलाहकार के संसद के अंदर रेप का आरोप लगाए जाने के बाद स्कॉट मॉरिशन सरकार ने मानवाधिकार आयोग से इसकी जांच कराई थी। इस जांच रिपोर्ट में यह चौका देने वाला खुलासा हुआ है। पूछताछ के दौरान एक पुरुष सांसद ने कहा कि किसी महिला को किस करना, उसे उठाना, उसे छूना, कॉमेंट करना गलत नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की घटनाओं का उस महिला और उसकी टीम पर

बहुत बुरा असर पड़ता है। इससे संसद का काम प्रभावित होता है। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिशन ने इस जांच रिपोर्ट को यावह करार दिया है। इससे पहले मॉरिशन पर आरोप लगा था कि वह महिला सांसदों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न पर चुप्पी साधे हुए हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरुष कॉरिडोर में घूमते रहते हैं और महिलाओं को ऊपर नीचे जाते हुए घूरते रहते हैं। वहीं महिलाओं पुरुषों से बचाव के लिए कई तरह के उपाय करना पड़ता है। संसद के अंदर शराब के नशे में सांसद रहते हैं और कई बार अपनी सीमाओं को लांघ जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की संसद और संघीय नेताओं के कार्यालयों में काम करने वाले एक-तिहाई लोगों ने यौन उत्पीड़न का सामना किया, लेकिन उनमें से सिर्फ 11 प्रतिशत ने इस बारे में शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया है कि रिपोर्ट में एक स्वतंत्र आयोग गठित करने सहित 28 सिफारिशें की गई हैं। मीडिया संस्थान ने कहा कि समीक्षा लैंगिक भेदभाव आयुक्त केट जेनकिंस द्वारा की गई। दरअसल, पूर्व लिबरल कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस ने एक मंत्री के कार्यालय में एक सहकर्मी द्वारा 2019 में उसके साथ हुए कथित बलात्कार का फरवरी में सार्वजनिक रूप से खुलासा किया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि उन्होंने रिपोर्ट में मौजूद आंकड़ों को भयावह पाया है। मॉरिसन ने कहा, 'इस इमारत में काम करने वाले किसी अन्य की तरह मैंने प्रस्तुत किये गये आंकड़ें को भयावह और परेशान करने वाला पाया है। ' जेनकिंस ने भी कहा कि वह भी रिपोर्ट के खुलासे से स्तब्ध हैं।

आम माफी के बाद की तालिबान ने की करीब सौ पूर्व सरकारी कर्मियों और सुरक्षाकर्मियों की हत्या

काबुल। अफगानिस्तान पर कब्जे के करीब चार माह बाद तालिबान का क्रूर चेहरा दुनिया के सामने आने लगा है। बीते तीन माह के दौरान तालिबान ने जिन सरकारी कर्मचारियों और सेना के जवानों और अधिकारियों को आम माफी देने की बात की थी, उन्हें या तो मार दिया गया है, या फिर उन्हें गायब कर दिया गया है। ह्यूमन राइट्स वाच द्वारा किए गए करीब 67 इंटरव्यू के दौरान तालिबान की ये सच्चाई उजागर हुई है। इन इंटरव्यू में गजनी प्रांत की जेल में बंद करीब 40 कैदी भी शामिल थे, जिन्हें विभिन्न आरोपों के तहत जेलों में बंद किया गया है। इसके अलावा

हेलमंड, कुंदुज और कंधार प्रांत की जेलों में बंद कैदियों से भी बात की गई है। ह्यूमन राइट्स वाच की रिपोर्ट में यहां तक कहा गया है कि तालिबान ने पूर्व की अफगान सरकार के कर्मचारियों और पूर्व सुरक्ष कर्मियों के परिजनों को भी इस दौरान निशाना बनाया है। रिपोर्ट में ये खुलासा ऐसे समय में किया गया है जब तालिबान ने बार-बार ये कहा था कि वो सरकारी कर्मचारियों पूर्व की अफगान सरकार के तहत काम करने वाले सुरक्षाकर्मियों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। तालिबान की तरफ से यहां तक कहा गया था कि वो उन सभी को आम माफी दे रहे हैं। इतना ही नहीं तालिबान की तरफ ये घोषणा भी की गई थी कि वो अपनी सरकार की जवाबदेही तय करेंगे और इस्लामी कानून के तहत लोगों को मिले मानवाधिकारों का सम्मान करेंगे। ।

अमेरिकी सांसदों ने प्रशासन से 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' के लिए डीएसीए का दायरा बढ़ाने की अपील की

वाशिंगटन। अमेरिका के 49 प्रभावशाली सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन से 'डिफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स' (डीएसीए) में 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' को शामिल करने की अपील की है।

'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' उन भारतीय-अमेरिकियों के बच्चे हैं, जो मुख्य रूप से एच -1 बी वीजा पर कानूनी रूप से अमेरिका आए थे। निर्वासन से एक प्रकार की प्रशासनिक राहत प्रदान करने वाले डीएसीए का उद्देश्य , उन योग्य अप्रवासी युवाओं की उनके देश वापस भेजे जाने से सुरक्षा करना है, जो अमेरिका आए थे तब बच्चे थे।

सांसद डेबोरा रॉस और सीनेटर एलेक्स पैडिला के नेतृत्व में सीनेट तथा सदन के 49 सदस्यों ने एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें अनुरोध किया गया कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' को शामिल करने के लिए डीएसीए मानदंडों को व्यापक बनाए। कहा गया कि लंबे समय से अमेरिकी वीजा धारकों के तौर पर बच्चे अमेरिका में कानूनी दर्जे के साथ बड़े होते हैं, लेकिन 21 साल की उम्र में उन्हें तब व्यवस्था से बाहर कर दिया जाता है, जब उनके आश्रितों का वीजा समाप्त हो जाता है या उन्हें उस समय तक 'ग्रीन कार्ड' नहीं मिल पाता। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सांसद डीएचएस से 2,00,000 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' के लिए पात्रता बढ़ाने का आग्रह कर रहे हैं, जो वर्तमान में डीएसीए के तहत निर्वासन से सुरक्षा के लिए पात्र नहीं हैं। सांसदों ने पत्र में लिखा, '' अगर डीएसीए को जैसे हम कह रहे हैं वैसे अद्यतन किया गया तो, अमेरिका में 15 जून 2012 तक मौजूद 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' को 21 साल का होने के बाद भी हमारे देश में रहने और उसके हित में योगदान देते रहने का मौका दिया जा सकता है। डीएसीए को उन बच्चों तथा युवा वयस्कों की सुरक्षा के लिए बनाया गया था, जो अमेरिका में बड़े हुए हैं, ताकि उन्हें उन देशों में लौटने के लिए मजबूर ना किया जाए, जिसे वे शायद थोड़ा ही जानते हों। हम आपसे 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' के लिए डीएसीए पात्रता का विस्तार करके इस नीति के वादे को पूरा करने का आग्रह करते हैं।'' इस कदम का 'डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स' ने भी स्वागत किया है। 'इम्प्रूव द ड्रीम' के संस्थापक डी पटेल ने कहा कि वे सांसदों के इस कदम के आभारी हैं।

सरकार प्रदूषण स्तर की क्लॉज मॉनिटरिंग कर रही है: गोपाल राय

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण का स्तर बढने पर स्कूल-कॉलेज, कोचिंग संस्थान समेत सभी प्रशिक्षण संस्थान आदि दोबारा से कल से बंद करने का निर्णय लिया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार प्रदूषण स्तर की क्लॉज मॉनिटरिंग कर रही है। सभी स्कूल, कॉलेज, शैक्षिक / कोचिंग संस्थान, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान, अन्य प्रशिक्षण संस्थान, पुस्तकालय (सिवाय जहां परीक्षा आयोजित की जा रही है को छोड़कर) बंद कर दिया जाएगा । धूल प्रदूषण-वाहन प्रदूषण को लेकर सरकार दो महीने से अभियान चला रही है। दिल्ली के अंदर निर्माण-डिमोलिशन कार्य बंद हैं। दूसरे राज्यों से आने वाले ट्रक भी बंद है। लोगों से अपील है कि निजी वाहनों को छोड़कर ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक वाहनों से सफर करें। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज प्रेस को संबोधित किया। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर काफी लंबे समय से स्कूल बंद थे। ऐसी संभावना दिख रह थी कि प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। उसको देखते हुए ही स्कूल खोलने का निर्णय लिया गया था। लेकिन जो हालत दिख रहे हैं उसमें प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। सरकार इसको लेकर लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। ऐसे में आज सरकार ने स्कूल-कॉलेज, कोचिंग संस्थान समेत सभी प्रशिक्षण संस्थान आदि दोबारा से बंद करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि एक्शन प्लान पर लगातार काम हो रहा है। धूल प्रदूषण, वाहन प्रदूषण को लेकर सरकार लगातार काम कर रही है। पिछले 2 महीने से हम लोग एंटी डस्ट अभियान चला रहे हैं। एयर क्वालिटी कमीशन की तरफ से नया आदेश नहीं आया है। हालांकि दिल्ली के अंदर पहले ही निर्माण और डिमोलिशन कार्य बंद है। दिल्ली के अंदर बाहर से जो ट्रक आते हैं, वह भी बंद है। दिल्ली सरकार को कोई निर्देश आता है तो उसको भी हम लागू करेंगे। गोपाल राय ने कहा कि सरकारी दफ्तरों के लिए विशेष बस की सुविधा शुरू की हुई है। जिससे की लोग निजी गाड़ियां ना निकालें। मेट्रो-बसों की जितनी क्षमता है उतनी बढ़ाई जा चुकी है। लोगों से अपील है कि निजी वाहनों को छोड़कर ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक वाहनों से सफर करें। कोरोना के दौरान बस-मेट्रो में खड़े होकर सफर करने की अनुमति नहीं थी। अभी खड़े होकर भी सफर करने की अनुमति है। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन से ज्यादा सफर करें। हमारी कोशिश है कि हम अपने हिस्से का प्रदूषण कम करें। ऑड-ईवन को लेकर कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है।

'दिल्ली बाजार' पोर्टल से दो लाख से अधिक जुड़ेंगी महिला उद्यमी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के थिंक टैंक डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन ऑफ दिल्ली (डीडीसी) ने दिल्ली बाजार वेब पोर्टल से महिला उद्यमियों को जोड़ने के लिए आज बैठक की। इस दौरान दिल्ली की महिला उद्यमियों ने केजरीवाल सरकार के फैसले का स्वागत किया और आगामी पोर्टल के लिए कई व्यावहारिक जानकारी दी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों घोषणा की कि दिल्ली का अपना ई-मार्केट प्लेस दिल्ली बाज़ार पोर्टल होगा। जहां हर छोटे और बड़े दुकानदार का एक वर्चुअल स्टोर होगा। जिसके जरिए अपने सामान को दुनिया भर में ऑनलाइन बेच सकेंगे। इसके जरिए यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि वेब पोर्टल में खरीदारों के साथ-साथ विक्रेताओं को भी सकारात्मक परिणाम मिले। इसमें आभूषण, परिधान उद्योग, फैशन डिजाइनरों, बुटीक और सैलून, मेकअप आदि महिला व्यापारिक संगठनों से जुड़ीं महिला उद्यमियों-प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। आगामी पोर्टल में महिलाओं द्वारा संचालित व्यवसायों की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने जल्द आने वाले दिल्ली बाजार पोर्टल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई व्यावहारिक सुझाव दिए। इस दौरान महिलाओं के बाजार संघों ने अपने सदस्यों को ऑनलाइन व्यवसाय चलाने के लिए कैटलॉगिंग, लेनदेन, शिपिंग, धन वापसी आदि के लिए प्रशिक्षित करने की भूमिका पर चर्चा की। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीडीसी के उपाध्यक्ष जस्मिन शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दिल्ली बाजार विजन का महिला उद्यमी अभिन्न अंग हैं। इसका उद्देश्य दिल्ली के सभी प्रकार के व्यापारियों और दुकानदारों के लिए एक समान अवसर प्रदान करना है। इसको साकार करने के लिए? दिल्ली सरकार दिल्ली में 2 लाख महिला उद्यमियों को सहायता प्रदान करेगी और उन्हें पोर्टल से जोड़ेगी। ताकि वे बड़े बाजारों तक पहुंच सकें और अपने व्यवसाय को बढ़ा सकें।

सैलून ओनर वेलफेयर एसोसिएशन की उपाध्यक्ष मीनाक्षी दत्त ने कहा कि इस अद्भुत दिल्ली बाजार वेब पोर्टल का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि दिल्ली की सभी महिला उद्यमी इस पहल का लाभ लेंगी। पोर्टल से जुड़ने से दिल्ली के सौंदर्य उद्योग को बढ़ने में मदद मिलेगी। हमें उम्मीद है कि सभी सैलून मालिक और मेकअप कर्मी सरकार के साथ जुड़कर काम करेंगे।

न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटिशियन एसोसिएशन की अध्यक्ष शिखा शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार छोटे महिला व्यापारियों के व्यवसायों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हमारे मुद्दों की पहचान करने और दिल्ली बाजार परियोजना में हमें भागीदार बनाने की दिशा में काम करने वाली पहली सरकार है। हमारे क्षेत्र की महिला उद्यमी दिल्ली सरकार के प्रयासों का स्वागत करती हैं और उन्हें सहयोग का आश्वासन देते हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) की महिला परिषद की अध्यक्ष मालविका साहनी ने कहा कि दिल्ली सरकार के साथ काम करने से महिला उद्यमियों को तकनीकी और वित्तीय चुनौतियों से उबरने में मदद मिलेगी। यह अभी तक ऑनलाइन ग्राहकों तक पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि हम परिषद से जुड़ी दस हजार महिला उद्यमियों को संगठित और प्रशिक्षित करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि वे %दिल्ली बाजार वेब पोर्टल से जुड़ें।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) की महिला परिषद की संस्थापक बृजेश गोयल ने कहा कि महिला उद्यमियों को जुटाने और उन्हें इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए दिल्ली सरकार के प्रयास अभूतपूर्व हैं। इससे दिल्ली सरकार को उनके साथ समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी।

ये मंच यहीं रहेगा जबतक मुकदमें वापस नहीं होंगे : राकेश टिकैत

नई दिल्ली। राकेश टिकैत ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सिर्फ अफवाह फैला रही है। किसानों के खिलाफ जो मुकदमें हैं, उन्हें कहां खत्म किया जा रहा है, जानकारी नहीं है। कृषि कानून रद्द किए जा चुके हैं, लेकिन अभी भी किसान आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। आंदोलन खत्म करने की कई बार अपील की जा चुकी है लेकिन किसान नेता राकेश टिकैत आंदोलन खत्म करने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने एक बार फिर सरकार को चैलेंज दिया है। राकेश टिकैत ने बयान जारी कर कहा है कि आंदोलन खत्म नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि फाइनल मैच की तैयारी हो रही है, अपने-अपने डेरे संभाल कर रखिए। सरकार किसान नेताओं को बुलाने की बात कह रही है तो फिर कहां दिक्कत है। इस सवाल के जवाब में राकेश टिकैत ने कहा कि राज्य सरकार को क्या प्रस्ताव भेजे गए हैं, इसकी हमें जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सिर्फ अफवाह फैला रही है। किसानों के खिलाफ जो मुकदमें हैं, उन्हें कहां खत्म किया जा रहा है।

कृषि कानून रद्द किए जाने के बाद भी किसानों की डिमांड बढ़ने के बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमारी कोई डिमांड नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जितनी बार भी बयान जारी किए हैं, हर बार MSP की मांग की गई है। सरकार आंदोलन के खात्मे की अफवाह फैला रही है।आंदोलन खत्म नहीं हो रहा। आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में गृह मंत्री अमित शाह की रैली है। इसमें सीएम योगी भी मौजूद रहेंगे। विपक्ष की तरफ से मुरादाबाद में प्रियंका गांधी की रैली है। इन रैलियों पर कटाक्ष करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि कहा गांव-गांव चिट्ठी लिखकर प्रधानों को बुलाया गया है।भीड़ को इकट्ठा किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान शब्द सरकार के दिमाग से निकलना नहीं चाहिए।

इसलिए अब यह किसानों की बातें करने लगे हैं, क्योंकि इनको लगता है कि किसान इनसे अब जवाब मांगेगा।

केजरीवाल की पंजाब को गारंटी

'आप' की सरकार बनने पर देंगे हर बच्चे को मुफ्त शिक्षा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज पठानकोट में आयोजित विशाल तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और पंजाब की जनता को दो और गारंटी दी। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीबों और अमीरों के बच्चों को एक समान अच्छी शिक्षा देंगे।

पंजाब में सरकारी स्कूलों का बुरा हाल है। इनको दिल्ली की तरह ठीक करेंगे। हम नए स्कूल बनाएंगे और मौजूदा स्कूलों को तोड़कर शानदार स्कूल बनाएंगे। इसके अलावा, हमारी सरकार बनने के बाद अगर पंजाब का कोई सैनिक बॉर्डर पर या पंजाब पुलिस का कोई जवान किसी ऑपरेशन में शहीद होगा, तो उसके परिवार को एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चन्नी साहब कहते हैं कि केजरीवाल काला है। उनसे कहना चाहता हूं कि मैं भले काला हूं, लेकिन मेरी नियत अच्छी है। मेरी सरकार बनने पर सस्ते कपड़े पहनने वाला यह काला आदमी अपने सारे वादे पूरा करेगा। मैं चन्नी साहब की तरह झूठे वादे नहीं करता है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज पंजाब दौरे पर पठानकोट पहुंचे। सुबह करीब 11:15 बजे वे दिल्ली से अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके उपरांत 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल पठानकोट में विशाल तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। होटल पठानकोट के पास वेदी पेट्रोल पंप से शुरू हुआ तिरंगा यात्रा गढ़ी अहाता चौक पर जाकर समाप्त हुआ। करीब एक घंटे तक चली तिरंगा यात्रा में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, 'आप' पंजाब प्रभारी जरनैल सिंह, सह प्रभारी राघव चड्ढा, सांसद भगवंत मान, हरपाल सिंह चीमा, कुंवर विजय प्रताप, विभूति शर्मा, लालचंद, रमन बहल और वरिष्ठ नेता समेत बड़ी तादात में कार्यकर्ता शामिल हुए।

शहीदों की पवित्र धरती पठानकोट में आकर मैं अपने आपको सौभाग्यशाली समझता हूं- अरविंद केजरीवाल

तिरंगा यात्रा के दौरान 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इतने सारे तिरंगे देखकर आज मजा आ गया। दिल में कुछ-कुछ होता है। इतने तिरंगे हम लोगों ने अन्ना आंदोलन में देखे थे। जब रामलीला मैदान में होते थे, तो इतने सारे तिरंगे होते थे और भारत माता की जय से पूरा आसमान गूंज रहा होता था। आज शहीदों और शूरबीरों की धरती पठानकोट को मैं नमन करता हूं। बताया जाता है कि भारत की फौज में सबसे ज्यादा भर्तियां गुरदासपुर और पठानकोट से होती हैं। सेना में सबसे ज्यादा सैनिक पठानकोट और गुरूदासपुर से भर्ती होते हैं। अभी तक सबसे ज्यादा शहीद भी पठानकोट और गुरदासपुर से हुए हैं। मैं अपने आप को सौभाग्यशाली समझता हूं कि आज शहीदों की इस पवित्र धरती पर आया हूं। अभी तक मैं पंजाब में आया और हर बार एक गारंटी देकर जाता था। गारंटी मतलब कि अगर हमारी सरकार बनेगी, तो हमारी पूरी गारंटी है कि यह काम हम करेंगे और अगर हमने यह काम नहीं किया, तो पांच साल बाद हमें हटा देगा।

पंजाब को मैंने 24 घंटे और 300 यूनिट फ्री बिजली की गारंटी दी है- अरविंद केजरीवाल

'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने पहली गारंटी बिजली की दी। पंजाब में आज बिजली बहुत महंगी है और हजारों रुपए के बिल आते हैं। दिल्ली में हमने 200 यूनिट बिजली मुफ्त कर दी। हमने पंजाब में गारंटी दी कि हमारी सरकार आएगी, तो हम हर परिवार की 300 यूनिट बिजली मुफ्त करेंगे। इसके साथ ही, हम 24 घंटे बिजली देंगे।

सिंघु बार्डर से दिल्ली में अचानक घुसे बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी निहंग, गुरुद्वारे लेकर गई पुलिस

नई दिल्ली,एजेंसी। कुंडली बार्डर से गुरुवार दोपहर दर्जनों कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनकारी अचानक राजधानी दिल्ली में घुस गए। पुलिस ने जब उनसे भारी संख्या में दिल्ली की सड़कों पर पहुंचने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि तीनों कृषि कानूनों के रद होने की खुशी में वह दिल्ली के गुरुद्वारे में मत्था टेकने जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस उन्हें बसों में बैठाकर गुरुद्वारा बंगला साहिब लेकर गई। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर संख्या निहंगों की रही। यहां से जाने के बाद गुरुद्वारा बंगला साहिब में निहंग प्रदर्शनकारियों ने अरदास किया। निहंगों ने कहा कि तीन कृषि कानून रद्द होने के बाद वे यहां अरदास के लिए आए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कुंडली बार्डर (सिंघु बार्डर) से करीब 100 कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनकारी गुरुवार दोपहर अपनी गाड़ियों में सवार होकर अचानक सिंघु गांव से होते हुए दिल्ली में घुस गए। पुलिस को जब डेढ़ दर्जन से ज्यादा गाड़ियों में सवार होकर निहंगों के दिल्ली में घुसने की जानकारी मिली तो पुलिस ने आनन-फानन में बड़ी मशक्कत के बाद बैरिकेड लगाकर उन्हें मुकरबा चौक पर रोक लिया। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह गुरुद्वारा जाने की जिद पर अड़े रहे। इसके बाद इसकी जानकारी आला अधिकारियों को दी गई। तुरंत आसपास के थानों से पुलिस बल को मौके पर बुलाकर तैनात किया गया। अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को भी बुलाया गया। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त ऊषा रंगनानी व बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त बृजेंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को काफी समझाने की कोशिश की।

करीब एक घंटे तक पुलिस अधिकारियों व प्रदर्शनकारियों के बीच चली बातचीत के बाद निहंगों को तीन बस में बैठाकर नई दिल्ली में गोल डाकखाना के पास स्थित बंगला साहिब गुरुद्वारे दर्शन करने जाने की अनुमति दे दी। उनसे आश्वासन लिया गया कि वो गुरुद्वारे के अलावा कहीं न जाएंगे। अगर कानून व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का असर पड़ा तो जिम्मेदारी उनकी ही होगी। इसके बाद सभी प्रदर्शनकारियों का नाम, पता नोट कर उन्हें चार बसों में बैठाकर पुलिस एस्कार्ट कर गुरुद्वारे लेकर गई।बसों में पुलिस के जवान भी मौजूद थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के सभी वाहनों को मुकरबा चौक पर ही खड़ा करवा दिया। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर निहंग थे। उन्हें देखकर सडक़ पर लोगों में एक बार फिर से दहशत का माहौल बन गया। लोगों की आंखों की सामने 26 जनवरी की भयावह तस्वीरें सामने आने लगी थी। हालांकि इस वक्त निहंगों की संख्या ज्यादा नहीं थी।फिर भी लोग किसी न तरह से वहां से निकलना चाह रहे थे। लेकिन लंबे जाम की वजह से वह निकल नहीं पा रहे थे।

दिल्ली में आज से स्कूल बंद

सुप्रीम कोर्ट के सरकारों से सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राजधानी में शुक्रवार से सभी स्कूल अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा है कि प्रदूषण से बिगड़ते हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। स्कूल कब से खुलेंगे, फिलहाल इस पर कोई फैसला नहीं किया गया है।

इससे पहले गुरुवार को ही कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली और पड़ोसी राज्यों की सरकार को फटकार लगाते हुए 24 घंटे का समय दिया।

कोर्ट ने केंद्र से कहा कि अगर प्रदूषण कम करने के लिए 24 घंटे में कड़े कदम नहीं उठाए गए तो सुप्रीम कोर्ट टास्क फोर्स का गठन करेगा। चीफ जस्टिस हङ्क रमणा ने केंद्र से पूछा कि आखिर प्रदूषण कम क्यों नहीं हो रहा है।

दिल्ली में सार्वजनिक जगहों पर जाने के लिए कोविड टीका अनिवार्य करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में जहां एक बार फिर से कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रोन खतरे के रूप में सामने आ रहा है ऐसे में भारत में भी इसको लेकर कई एहतियात बरते जा रहे हैं। वैक्सीन की रफ्तार को भी बढ़ाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इस बीच, राजधानी दिल्ली में टीकाकरण में तेजी लाने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसके लिए यूरोप के कई देशों के वैक्सीन पासपोर्ट सिस्टम की तर्ज पर लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं । इस सिस्टम के तहत, 15 दिसंबर के बाद वैक्सीन की दोनों डोज न लेने पर कहीं भी सार्वजनिक स्थानों और यातायात में प्रवेश पर पाबंदी लग सकती है। डीडीएमए की सोमवार को हुई मीटिंग में कई सुझावों पर चर्चा पर की गई । इस मीटिंग में यूरोपीय देशों द्वारा लागू वैक्सीन पासपोर्ट सिस्टम पर चर्चा की गई। यूरोपीय देशों में जारी इस सिस्टम के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे लोगों के आने पर पाबंदी है जिन्होंने, कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज नहीं ली हैं। इसके अलावा ऐसे लोगों को वैक्सीनेट करने के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसपर डीडीएमए की अगली मीटिंग पर और चर्चा होगी। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने हालांकि स्पष्ट किया कि, यूरोपीय देशों की तर्ज पर बिना वैक्सीनेशन वाले लोगों की एंट्री पर पाबंदी तो नहीं है मगर ऐसे सुझावों पर विचार किया सकता है। ऐसे में अगर दिल्ली में यूरोपीय देशों की तर्ज पर वैक्सीन पासपोर्ट सिस्टम लागू किया जाता है तो, 15 दिसंबर के बाद दिल्ली में किन सार्वजनिक स्थानों और यातायात में इसका असर देखने को मिल सकता है। दिल्ली की लाइफलाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो में प्रवेश करने से पहले ऐसे लोगों की जांच की जाएगी जिन्होंने वैक्सीन की एक डोज ली हो। वैक्सीन की एक भी डोज न होने लेने पर मैट्रो में एंट्री नहीं होगी। वैक्सीन पासपोर्ट सिस्टम अगर लागू होता है तो,दिल्ली की डीटीसी बसों पर भी इसका असर देखने को मिलेगा। डीटीसी बसों में यात्रा से पहले ये देखा जाएगा कि, आपने वैक्सीन की दो में से एक भी डोज ली है अथवा नहीं। ऐसा न होने पर उन्हें यात्रा से वंचित कर दिया जाएगा। सार्वजनिक वाहनों में आने वाली ओला और ऊबर कैब में भी वैक्सीन एक डोज वाले यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति होगी। कोरोना के केस कम होने के बाद आधी क्षमता के साथ खुले सिनेमाघरों में भी यह सिस्टम लागू हो सकता है। अपने चहेते फिल्मी सितारों को बड़े पर्दे पर देखने से पहले आपका कोरोना वैक्सीन की दो में से एक डोज लेना जरूरी होगा। खेल और मनोरंजन प्रेमियों के लिए भी स्टेडियम और मनोरंजन केंद्रों में आसानी से प्रवेश करने के लिए आंशिक तौर पर वैक्सीनेट होना अनिवार्य होगा। धार्मिक स्थानों में जाने वाले लोगों के लिए भी कोरोना वैक्सीन की एक डोज लेना जरूरी होगा। एक भी डोज न लेने पर आप आपने आराध्य के दर्शन नहीं कर पाएंगे।

सार्वजनिक पार्कों में भी अगर आप टहलने या व्यायाम करने जा रहे हैं तो पहले वैक्सीन की एक डोज लेकर ही प्रवेश करें। ऐसा न होने पर आप सीधे एंट्री नहीं कर पाएंगे।

ऐतिहासिक स्थलों को देखने, उसके बारे में जानने और साथ कैमरों में उन्हें कैद करने का मन तो सबका करता है। इससे पहले अगर आपने वैक्सीन की एक भी डोज नहीं ली है तो इन स्थलों में एंट्री नहीं कर पाएंगे।

कोरोना के कम होते प्रभाव के बीच कई चीजें फिर से पटरी पर लौट रही हैं। इसमें होटल और रेस्तरां भी शामिल है। आप अगर अपने परिवार के साथ किसी होटल या रेस्तरां में खाने या रुकने जा रहे हैं तो वैक्सीन की एक डोज लेने के बाद ही जाएं अन्यथा आप एंट्री नहीं कर पाएंगे।

वैक्सीन पासपोर्ट सिस्टम लागू होते ही सरकारी कार्यालयों में भी प्रवेश के लिए वैक्सीन की एक डोज लेना अनिवार्य होगा। इसके बिना आपका प्रवेश वर्जित हो सकता है।

इसके अलावा राजधानी दिल्ली में पात्र लोगों के पूर्ण वैक्सीनेशन की डेडलाइन मार्च 31 2022 रखी गई है। वहीं, जिन्होंने अपने आपको फुली वैक्सीनेट किया है उन्हें उपहार के तौर पर इनामी राशि या डिस्काउंट दिए जा सकते हैं। आपको बता दें कि, अबतक राजधानी में वैक्सीनेशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2,27,55,167 लोगों ने वैक्सीन की डोज ले ली है। इसमें पहली डोज लेने वालों की संख्या, 1,38,89,637 है और 88,65,530 लोगों ने दूसरी डोज ली है। वहीं दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 1,24,524 लोग वैक्सीनेट हुए।

अर्थव्यवस्था विकास की ओर अग्रसर

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.4 फीसदी रही है। इससे साफ जाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था की सेहत बहुत अच्छी है। इस बढ़ोत्तरी से इंगित होता है कि उपभोक्ता का विश्वास बढ़ा है और लोग खर्च करने लगे हैं। महामारी की रोकथाम के लिए लगे लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों को हटाने से औद्योगिक और कारोबारी गतिविधियों ने तेजी से रफ्तार पकड़ी है। बीती तिमाही में निर्यात के क्षेत्र में भी बढ़िया प्रदर्शन रहा है। इस वृद्धि की एक अन्य बड़ी वजह मॉनसून का अच्छा रहना भी है। इससे फसल अच्छी हुई और किसानों की आमदनी में बढ़त हुई। हमारे देश में अक्सर यह देखा गया है कि अगर बारिश ठीक होती है, तो ग्रामीण क्षेत्र में मांग बढ़ती है। इसका वृद्धि पर सकारात्मक असर होता है।

मैनुफैक्चरिंग में भी 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन यह अपेक्षा से कम है। इसका कारण आपूर्ति श्रृंखला के अवरोध रहे हैं। ये बाधाएं अभी भी मौजूद हैं। हमें याद करना चाहिए कि जुलाई से सितंबर तक की तिमाही पर कोरोना महामारी की दूसरी लहर की भी छाया रही है। इस लहर ने मैनुफैक्चरिंग और आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया था। औद्योगिक उत्पादन के लिए बहुत तरह के संसाधनों की आवश्यकता होती है। श्रमिकों के अलावा कच्चे माल तथा विभिन्न सहायक वस्तुओं की आपूर्ति भी निर्बाध ढंग से बनी रहनी चाहिए। इस कमी की वजह से फैक्ट्रियों में उम्मीद से कम उत्पादन हुआ है। अगर स्थिति सामान्य रहती और उत्पादन का स्तर अच्छा होता, तो वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत के आसपास हो सकती थी। लेकिन कुल मिलाकर यह उम्मीद तो बनती ही है कि इस वित्त वर्ष की सभी चार तिमाहियों की वृद्धि दर कम-से-कम सात से आठ प्रतिशत के बीच रह सकती है। हम कह सकते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था बीते साल की मुश्किलों से उबरते हुए सुधार की ओर अग्रसर है। जो वर्तमान तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) है, उसमें दीवाली और अन्य त्योहारों के मौसम में शानदार उपभोग देखा गया है और यह अभी भी जारी है। साल 2020 में इस तिमाही में महामारी के कारण बाजार बहुत धीमा रहा था, जिसका असर वृद्धि दर पर भी हुआ था। लेकिन इस बार लोगों ने खुलकर खर्च किया है। उपभोग में इस उछाल का प्रभाव हमें तीसरी तिमाही के नतीजों में जरूर देखने को मिलेगा। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रहण के आंकड़े भी इसी ओर संकेत कर रहे हैं। उपभोग के साथ निर्यात में वृद्धि के कारकों को एक साथ रख कर देखें और अगर आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं कम होती हैं, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अगली दो तिमाहियों में भी हमें अर्थव्यवस्था का अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा। जानकार यह भी कह रहे हैं कि शायद आर्थिक वृद्धि दो अंकों में यानी 10 प्रतिशत से अधिक भी हो सकती है। इस अनुमान को एक ठोस आधार अक्टूबर में आठ मुख्य क्षेत्रों की संयुक्त बढ़ोत्तरी का 7.5 प्रतिशत होने से भी मिलता है।

जिस तिमाही (जुलाई-सितंबर) की हम चर्चा कर रहे हैं, उसमें भी इन प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है। इन क्षेत्रों में बड़ी मांग इंफ्रास्ट्रक्चर और कृषि से आती है। हम देख रहे हैं कि इंफ्रास्ट्रक्चर में विभिन्न परियोजनाओं में बड़ी तेजी के रुझान हैं और नई परियोजनाओं की घोषणा भी हो रही है, जिसका प्रभाव बाद में दिखेगा। इस क्षेत्र में निजी निर्माण भी बड़ा कारक है। आवास और व्यावसायिक निर्माण के क्षेत्र में महामारी से पहले से ही सुस्ती थी। आपूर्ति की मात्रा मांग से कहीं अधिक हो गयी थी। महामारी के दौरान तो यह क्षेत्र लगभग बैठ ही गया था। पर अब इसमें सकारात्मक बढ़त होने लगी है। तो, इन प्रमुख क्षेत्रों में आगे भी बढ़ोत्तरी होती रहेगी। आर्थिक वृद्धि के वर्तमान और भविष्य की चर्चा करते हुए हमें चुनौतियों का भी ध्यान रखना चाहिए। हमारी अर्थव्यवस्था के सामने अभी मुख्य रूप से दो चुनौतियां हैं। एक, कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष चिंताओं को बढ़ा दिया है। अगर इससे महामारी एक बार फिर बड़े पैमाने पर फैलती है, तो हमारे निर्यात तथा आपूर्ति श्रृंखला पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। आयात पर होनेवाला खर्च भी बढ़ जायेगा। दूसरी चिंता यह है कि कहीं यह नया वायरस हमारे देश में घुसकर कोई तीसरी लहर जैसी स्थिति न पैदा कर दे। अभी कोरोना महामारी नियंत्रण में है और टीकाकरण अभियान भी संतोषजनक गति से चल रहा है। यदि लॉकडाउन की स्थिति पैदा होती है, भले ही वह स्थानीय स्तर पर भी करना पड़े, तो आर्थिक गतिविधियां धीमी हो जायेंगी। महामारी उन्हीं जगहों पर अधिक फैलती है, जहां अधिक लोग होते हैं। ऐसी जगहें औद्योगिक शहर, बंदरगाह आदि होती हैं। इन्हीं स्थानों पर उत्पादन और कारोबार भी केंद्रित होता है। दुनियाभर के विशेषज्ञ भी यही कह रहे हैं कि हर जगह आर्थिक बेहतरी हो रही है, चाहे यूरोप हो, अमेरिका हो, भारत हो या फिर दक्षिण-पूर्व एशिया हो। यदि नया वायरस बुरी तरह से फैल जाता है, तो हर जगह की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। मेरा मानना है कि हमें मुद्रास्फीति को लेकर अभी बहुत अधिक चिंतित नहीं होना चाहिए। हमारी मुख्य प्राथमिकता अर्थव्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में लाना है। अभी हमें आर्थिक वृद्धि और रोजगार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुद्रास्फीति तो कुछ ऊपर रहेगी ही, क्योंकि कोरोना महामारी से जूझने के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर खर्च किया है और यह आगे भी जारी रहेगा। जब भी सरकार खर्च करती है, तो मुद्रास्फीति में कुछ बढ़ोत्तरी स्वाभाविक है। तय सीमा से अगर यह दो-तीन प्रतिशत ऊपर-नीचे रहती है, तो हमें परेशान नहीं होना चाहिए। मुद्रास्फीति को नीचे लाने के लिए अगर मांग को नियंत्रित करने की कोशिश होगी, तो उसका सबसे खराब असर उन लोगों पर होगा, जिन्हें रोजगार चाहिए और जिनकी रोजी-रोटी उससे जुड़ी है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

कोरोना की मार से, यार आ चुके तंग
एक लगे कंट्रोल तो, दुसरा बदले रंग
दुसरा बदले रंग, नचाए ता-ता थइया
कोविड नहीं मुवा, लागे है पप्पू भइया
कह सुरेश कोरोना हो या पंजा वाले
इन दोनों से भगवन हिंदुस्तान बचा ले।

भारत का नया रक्षा कवच

यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत इस मिसाइल रक्षा प्रणाली को कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके बत्तीस विमानों को मार कर गिरा सकता है। इस रक्षा प्रणाली का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष है सीमा पर इस रक्षा प्रणाली की तैनाती से चीन और पाकिस्तान पर होने वाला असर, क्योंकि यही दो हमारे दुश्मन देश हैं।

यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत इसे कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके बत्तीस विमानों को मार कर गिरा सकती है। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है, मगर वह भी एक ब्रह्मास्त्र से खौफ खाता है। वह है रूस का एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली। भारत ने रूस से इसका सौदा किया तो अमेरिका का पारा चढ़ गया। असल में एस-400 की तैनाती का मतलब है, देश की सुरक्षा की गारंटी और इस मिसाइल के प्रहार का मतलब है, आसमान में अभेद्य कवच। दुश्मन के पास कितनी भी ताकतवर मिसाइल हो, कैसा भी लड़ाकू विमान हो, गुप्त तरीके से घुसपैठ करने वाला ड्रोन हो, एस-400 के रहते वह सरहद पार नहीं कर सकता। रूस ने भारत को एस-400 की आपूर्ति शुरू कर दी है। यह दुनिया की सबसे खतरनाक मिसाइलरोधी प्रणाली है। यह एक साथ कई खतरों से निपट सकती है। यह सैकड़ों किलोमीटर दूर से ही दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकती और पलक झपकते ही उसके मंसूबों पर पानी फेर देती है। यह मिसाइल प्रणाली एक साथ छत्तीस ठिकानों पर तबाही मचा सकती है। यह चार तरह की मिसाइलों से लैस है और चालीस से चार सौ किलोमीटर दूरी तक घातक प्रहार कर दुश्मन को ढेर कर सकती है। यानी अगर इसकी तैनाती दिल्ली में की जाए तो दुश्मन के किसी विमान या मिसाइल को आगरा पहुंचने से पहले ही बर्बाद कर देगी। इसमें एक मिसाइल लांग रेंज की है, जो चार सौ किलोमीटर तक मार कर सकती है। दूसरी मिसाइल मीडियम रेंज की है, जो ढाई सौ किलोमीटर तक प्रहार कर सकती है। तीसरी मिसाइल मीडियम-शार्ट रेंज की है, जो एक सौ बीस किलोमीटर तक हमला कर सकती है और चौथी मिसाइल शार्ट रेंज की है, जो चालीस किलोमीटर के दायरे में दुश्मन को तबाह कर सकती है। यह रक्षा प्रणाली सबसे उन्नत रडारों से लैस है, जिससे यह छह सौ किलोमीटर की दूरी तक अपने तीन सौ लक्ष्यों का पता लगा और कुछ ही मिनटों में उन्हें ध्वस्त कर सकती है। इसे बड़ी आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता और सिर्फ पांच मिनट के अंदर हमले के लिए तैनात किया जा सकता है। भारत को यह मिसाइल प्रणाली मिलने के बाद भारतीय वायु सेना की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। एस-400 रक्षा मिसाइल प्रणाली स्टील्थ मोड के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान तक को गिरा सकती है। अमेरिका के सबसे उन्नत एफ-35 फाइटर जेट भी इससे बच नहीं सकते हैं। इस रक्षा प्रणाली के मुख्य रूप से तीन हिस्से हैं। पहला हिस्सा है, लक्ष्य प्रबंधन रडार प्रणाली, जो दुश्मन की दूरी तय करता है। इसके बाद है कमांड सेंटर, जो दुश्मन के हमले की दूरी तय करके मिसाइल लांचर को हमले का निर्देश देता है और तीसरा हिस्सा है मिसाइल लांचर, जिसमें से मिसाइल अपने लक्ष्य पर हमला करने के लिए निकल पड़ती है।

यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत इस मिसाइल रक्षा प्रणाली को कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके बत्तीस विमानों को मार कर गिरा सकता है। इस रक्षा प्रणाली का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष है सीमा पर इस रक्षा प्रणाली की तैनाती से चीन और पाकिस्तान पर होने वाला असर, क्योंकि यही दो हमारे दुश्मन देश हैं। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। इस संबंध में अमेरिका में 2017 में एक कानून लाया गया था, ताकि अगर कोई देश विरोध के बावजूद रूस से कोई रक्षा सौदा करता है तो उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। सवाल है कि क्या अमेरिका अब भारत पर भी प्रतिबंध लगाएगा? भारत को एस-400 की कुल पांच रेजीमेंट मिलने वाली हैं, जिनमें पांच मोबाइल कमांड सेंटर, दस रडार और दस लांचर होंगे। यानी पाकिस्तान और चीन भारत पर हवाई हमला करने के बारे में अब शायद सोच भी नहीं पाएंगे। भारत ने रूस से ये पांच रेजीमेंट उनतालीस हजार करोड़ रुपए में खरीदे हैं। पूरा सौदा लगभग चालीस हजार करोड़ रुपए का है। इसकी पहली रेजीमेंट की तैनाती पश्चिमी सीमा के पास हो सकती है, जहां से पाकिस्तान और चीन दोनों को दबाव में रखा जा सकता है। हालांकि चुनौतियां भारत के सामने भी हैं। पाकिस्तान के पास भले यह मिसाइल रक्षा प्रणाली नहीं है, लेकिन चीन के पास इसी मिसाइल रक्षा प्रणाली की छह रेजीमेंट पहले से मौजूद हैं। इनमें से एक प्रणाली उसने तिब्बत में, अरुणाचल प्रदेश के पास तैनात कर रखा है। दूसरी प्रणाली उसने लद्दाख में तैनात कर रखी है। चीन इस मामले में हमसे आगे चल रहा है। उसने पहली एस-400 मिसाइल 2018 में रूस से खरीदी थी, मगर मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था नामक संधि का हिस्सा न होने की वजह से उसे इसका नुकसान भी उठाना पड़ा। इस संधि के तहत जो देश इसका सदस्य नहीं है, उसे तीन सौ किलोमीटर से ज्यादा रेंज की कोई मिसाइल नहीं बेची जा सकती। मतलब चीन को रूस से एस-400 मिसाइलें तो मिलीं, लेकिन उनकी मारक क्षमता अधिकतम ढाई सौ किलोमीटर तक है। जबकि भारत को जो रक्षा प्रणाली मिली है, उसकी मारक क्षमता अधिकतम चार सौ किलोमीटर है। अमेरिका शुरू से ही नहीं चाहता था कि भारत कभी रूस से इस मिसाइल रक्षा प्रणाली को खरीदे। अमेरिका में 2017 में एक कानून आया था कि अगर कोई देश रूस के साथ हथियारों का सौदा करता है तो उसको प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस कानून को वहां 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' कहते हैं। अमेरिका ने यह कानून हथियारों के निर्यात में रूस को कमजोर करने के लिए बनाया था। अभी पूरी दुनिया में हथियारों का सबसे ज्यादा सैंतीस प्रतिशत निर्यात अमेरिका करता है। रूस की हथियारों के बाजार में हिस्सेदारी बीस प्रतिशत के आसपास है। 2018 में जब चीन ने रूस से यही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने चीन पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इसी तरह तुर्की ने भी यह प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। अमेरिका ने उसका निर्यात लाइसेंस रद्द करके उसे काली सूची में डाल और उसकी परिसंपत्तियों को जब्त कर लिया था। संभव है कि भारत के मामले में भी कुछ समय बाद अमेरिका इसी तरह के कदम उठाए। हालांकि भारत के मामले में अपवाद की स्थिति भी बन सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में एक कानून पास करवाया था, जिसके तहत अमेरिका ने उन देशों को प्रतिबंध लगाने वाले कानून से छूट दे दी थी, जो पहले से रूस से रक्षा संबंधी लेनदेन कर रहे थे।

- रंजना मिश्रा

ममता ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

जो लोग ममता बनर्जी के सियासी इतिहास से वाकिफ हैं, तो वे ये भी अवश्य जानते होंगे कि अपनी अलग पार्टी बनाने और बंगाल की सत्ता में आने से पहले ही कांग्रेस में रहते हुए उन्होंने अपनी इमेज एक ऐसी 'फाइटर लीडर' की बना ली थी, जिसने अपने दम पर वामपंथियों से लोहा लेकर उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। ममता की राजनीति बड़े दलों से थोड़ी अलग इसलिए है कि उन्हें सड़कों पर उतरकर लड़ना और उसके जरिये आम जनता को सीधे अपने साथ जोड़ने की कला बखूबी आती है। लोकसभा चुनाव होने में अभी ढाई साल का वक्त बचा है, लेकिन बंगाल से बाहर निकलकर वे अन्य दलों के नेताओं से जैसी मुलाकातें कर रही हैं, उसके सियासी अर्थ यही निकाले जाएंगे कि वे खुद को 2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में प्रोजेक्ट कर रही हैं, जो काफी हद तक सही भी है। चूंकि भाजपा के खिलाफ एक मजबूत वैकल्पिक ताकत बनने में कांग्रेस नाकाम होती दिख रही है। लिहाजा, ममता की रणनीति यही है कि अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर वे इस मकसद को पूरा कर सकती हैं। जाहिर है कि ममता यह भी जानती हैं कि सबसे बड़ा विपक्षी दल होने के नाते कांग्रेस उनकी उम्मीदवारी पर न तो इतनी आसानी से मुहर लगाएगी और न ही उनके नेतृत्व में अगला लोकसभा चुनाव लड़ने को ही राजी होगी। लेकिन राजनीति नंबरों का खेल है जिसमें जो जीता वही सिकंदर।

दरअसल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल समेत आठ राज्यों की तकरीबन दो सौ लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता है। इन सीटों पर कांग्रेस नंबर गेम में भाजपा के मुकाबले काफी पीछे है और उसके कुल 53 सांसद हैं। यदि ममता की टीएमसी समेत यूपीए में शामिल तमाम अन्य क्षेत्रीय दलों की सीटों की तुलना की जाए, जिसमें सपा जैसे कुछ गैर यूपीए दलों को भी जोड़ा जाए, तो उसका

पलड़ा कांग्रेस से बहुत भारी है। ऐसे में कांग्रेस को छोड़ यूपीए के बाकी सभी दलों ने अगर ममता को पीएम पद का उम्मीदवार बनाना तय कर लिया, तब कांग्रेस के पास भी उसे मानने के सिवा कोई और चारा नहीं बचेगा। ममता उसी रणनीति को ध्यान में रखकर ही अपनी सियासी जमीन मज़बूत करने में जुटी हैं, जिसे लेकर उन्होंने मुंबई में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार और शिव सेना सुप्रीमो व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से अलग-अलग मुलाकात की। ममता की इन मुलाकातों से कांग्रेस की टेंशन बढ़ना स्वाभाविक है लेकिन उसे परेशान होने की बजाय अपने गिरेबां में झांकते हुए ये देखना होगा कि उन 200 लोकसभा सीटों पर पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए जहां भाजपा से उसका सीधा मुकाबला है। क्योंकि कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष का मकसद तो एक ही है-2024 में भाजपा को सत्ता से हटाना। लिहाजा एक मजबूत व वैकल्पिक ताकत बनने की पहल अगर ममता कर रही हैं और चुनावों से पहले सामूहिक नेतृत्व की कमान भी उनके हाथ में आती है, तो इससे कांग्रेस को आखिर परेशान क्यों होना चाहिए। ये तो चुनाव नतीजों के बाद ही पता चलेगा कि विपक्ष को बहुमत मिलता भी है या नहीं। अगर मिल भी गया तो सबसे ज्यादा सीटें लेने वाली पार्टी ही पीएम पद पर अपना दावा ठोकेगी। ताकतवर विपक्ष की भूमिका निभाने में अपने ढुलमुल रवैये को लेकर ही आज ममता ने इशारों में ही कांग्रेस को नसीहत दी है। उन्होंने नाम लिए बगैर राहुल गांधी पर ये कहकर निशाना साधा कि अगर कोई कुछ करते नहीं हैं, विदेश में रहते हैं, तो ऐसा कैसे चलेगा। उन्होंने कहा कि इसलिए हमें कई दूसरे राज्यों में जाना पड़ा। ममता के इस बयान पर शरद पवार ने कहा कि सीधी बात है। आज पश्चिम बंगाल में ममता की जो जीत हुई है, वो फील्ड में रहकर ही हुई है। लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही जीत हुई है। हम उनके बयान का स्वागत करते हैं। पवार के इस बयान के मायने साफ हैं कि विपक्ष अब ममता को ही अपना कर आने की रणनीति बनाने के मूड में है।

- नरेन्द्र भल्ला

बिजली खर्च करने में बरतें संयम

एक महीने पहले कोयले की कमी के चलते अंधियारा छाता दिख रहा था। भारत की अर्थव्यवस्था में आये उछाल ने ऊर्जा की खपत में तेजी से बढ़ोत्तरी की है। यही कारण है कि देश गंभीर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। आर्थिक विकास के लिए सहज और भरोसेमंद ऊर्जा की आपूर्ति अत्यावश्यक होती है, जबकि नयी आपूर्ति का खर्च तो बेहद डांवाडोल है। दूसरी तरफ हमारे सामने 2070 तक शून्य कार्बन की चुनौती भी है। भारत में दुनिया का कोयले का चौथा सबसे बड़ा भंडार है, लेकिन खपत के कारण कोयला आयात करने में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। हमारे कुल बिजली उत्पादन 3,86,888 मेगावॉट में थर्मल पावर की भागीदारी 60.9 फीसदी है। इसमें कोयला आधारित 52.6 फीसदी, लिग्नाइट, गैस व तेल आधारित बिजली घरों की क्षमता क्रमशः 1.7, 6.5 और 0.1 प्रतिशत है। हम हाइड्रो परियोजना से महज 12.1 प्रतिशत, परमाणु से 1.8 और अक्षय ऊर्जा स्रोत से 25.2 प्रतिशत बिजली प्राप्त कर रहे हैं। सितंबर, 2021 तक देश के कोयला आधारित बिजली उत्पादन में लगभग 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बिजली संयंत्रों में कोयले की दैनिक औसत आवश्यकता लगभग 18.5 लाख टन है, जबकि हर दिन महज 17.5 लाख टन कोयला ही वहां पहुंचा। कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आयी है और बीते दो महीनों में ही बिजली की खपत 2019 के मुकाबले में 17 प्रतिशत बढ़ गयी है। इस बीच दुनियाभर में कोयले के दाम 40 फीसदी तक बढ़े हैं जबकि भारत का कोयला आयात दो साल में सबसे निचले स्तर पर है। कोयले का इस्तेमाल हम अनंत काल तक कर नहीं सकते, क्योंकि इसका भंडार सीमित है। दुनिया पर मंडरा रहे जलवायु परिवर्तन के खतरे के कारण भारत के सामने भी कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की चुनौती है। कोयले से संचालित बिजलीघरों से वायु प्रदूषण की समस्या खड़ी हो रही है। नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड के कारण अम्ल बारिश जैसे कुप्रभाव भी संभावित हैं। इन बिजलीघरों से उत्सर्जित कार्बन डाईऑक्साइड धरती के गरम होने और मौसम में अप्रत्याशित बदलाव का कारक है। परमाणु बिजलीघरों के कारण पर्यावरणीय संकट अलग तरह का है। परमाणु विखंडन से बिजली बनाना किसी भी समय परमाणु बम के विस्फोट जैसे कुप्रभावों को न्योता है। आण्विक पदार्थों और रेडियो एक्टिव कचरे का निपटारा बेहद संवेदनशील और खतरनाक काम है। हवा सर्वसुलभ और खतराहीन ऊर्जा स्रोत है, लेकिन इसे महंगा, अस्थिर और गैर-भरोसेमंद माध्यम माना जाता रहा है। इस समय देश में महज 39.870 हजार मेगावॉट बिजली हवा से बन रही है। पवन ऊर्जा उपकरणों की असफलता का मुख्य कारण भारत के माहौल के मुताबिक उसकी संरचना का नहीं होना है। हमारे यहां बारिश, तापमान, आर्द्रता और खारापन, पश्चिमी देशों से भिन्न है।

-पंकज चतुर्वेदी

आज का कार्टून

साभार

यूपी में किसानों की हर आवश्यकता हो रही पूरी

किसानों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार किसानों की हर आवश्यकता की पूर्ति कर रही है। सरकार कृषि यंत्रों, सिंचाई, खाद-बीज आदि की सुविधा उपलब्ध कराते हुए फसलोत्पादन में बढ़ोत्तरी करा रही है। सहकारी कृषि-निवेश योजना प्रदेश सरकार की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सदस्य बनाकर उनकी आवश्यकता के अनुरूप उच्चकोटि के कृषि-निवेश यथा उर्वरक, प्रमाणित बीज उपलब्ध कराये जाते हैं। वर्ष 2017-18 में उर्वरक वितरण का कुल लक्ष्य 3140755 मीट्रिक टन, निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष उर्वरकों का वितरण 324447 मीट्रिक टन हुआ, जो लक्ष्य का 103.29 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रमाणित बीज का कुल लक्ष्य 127975 कुन्तल निर्धारित था। पीसीएफ द्वारा 83667 कुन्तल बीज उपलब्ध कराया गया। उपलब्धता के सापेक्ष 82949 कुन्तल बीज का वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों में हुआ। वर्ष 2018-19 में उर्वरक वितरण का कुल लक्ष्य 2968019 मीट्रिक टन निर्धारित था। लक्ष्य के सापेक्ष प्रदेश के किसानों को 3372545 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण हुआ, जो लक्ष्य का 113.62 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रमाणित बीज का कुल लक्ष्य 82100 कुन्तल निर्धारित था। पीसीएफ द्वारा 70591 कुन्तल बीज उपलब्ध कराया गया। उपलब्धता के सापेक्ष 70591 कुन्तल बीज का शत-प्रतिशत वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों में किया गया। वर्ष 2019-20 में उर्वरक के वितरण का कुल लक्ष्य 3112633 मीट्रिक टन निर्धारित था। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष उर्वरकों का वितरण 3773809 मीट्रिक टन किया गया, जो लक्ष्य का 121.24 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार प्रमाणित बीज का कुल लक्ष्य 102100 कुन्तल निर्धारित तथा पीसीएफ द्वारा 58652 कुन्तल बीज उपलब्ध कराया गया। उपलब्धता के सापेक्ष 58652 कुन्तल बीज का शत-प्रतिशत वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों को किया गया। वर्ष 2020-21 में खरीफ का उर्वरक वितरण का कुल लक्ष्य 1290105 मीट्रिक टन निर्धारित था। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष खरीफ अभियान में उर्वरकों का वितरण 1846612 टन हुआ जो लक्ष्य का 143 प्रतिशत है। इसी प्रकार वर्ष 2020-21 में रबी अभियान में उर्वरक वितरण का क्रमिक लक्ष्य 2005484 मीट्रिक टन, निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष रबी अभियान में उर्वरकों का वितरण 1882558 मीट्रिक टन हुआ, जो लक्ष्य का 94 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रमाणित बीज का कुल निर्धारित लक्ष्य 97200 कुन्तल के सापेक्ष पीसीएफ द्वारा 71198 कुन्तल बीज उपलब्ध कराया गया। उपलब्धता के सापेक्ष बीज का शत-प्रतिशत वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों में किया गया है। वर्ष 2021-22 के खरीफ अभियान में उर्वरक वितरण का कुल लक्ष्य 1362623 मीट्रिक टन निर्धारित है। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष खरीफ अभियान में उर्वरकों का वितरण लक्ष्य का लगभग 90 प्रतिशत है तथा प्रमाणित बीज का कुल निर्धारित लक्ष्य 2000 कुन्तल के सापेक्ष पीसीएफ द्वारा उपलब्धता के सापेक्ष बीज का शतप्रतिशत विवरण सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों में हुआ। रबी अभियान वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत 7.71 लाख मीट्रिक टन फॉस्फेटिक उर्वरक के लक्ष्य के सापेक्ष सहकारी क्षेत्र में 6.86 लाख मीट्रिक टन फॉस्फेटिक उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करायी गयी है। इफको द्वारा रबी अभियान में 3.20 लाख मीट्रिक टन फॉस्फेटिक उर्वरक उपलब्ध कराया गया है।

अम्बरीष कुमार सक्सेना

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली, प्रियंका गांधी कार्यकर्ताओं में भरा जोश

'10 लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली', प्रियंका गांधी का आरोप-युवाओं की योग्यता पर सवाल उठाते हैं सीएम योगी

मुरादाबाद। आपकी लड़ाई लड़ रहीं हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में आए तो योगी के कंधे पर हाथ रखकर चलते हुए उनके फोटो खूब दिखाए गए, जबकि हमारे धर्म में किसी साधु, संन्यासी अथवा योगी के कंधे पर हाथ नहीं रखा जाता। प्रधानमंत्री बताएं कि मुख्यमंत्री को योगी मानते हैं या नहीं।

राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने बुद्धि विहार में आयोजित जनसभा में कहा कि आप सभी का मेरी ससुराल में स्वागत है। बहुत दिन बाद ससुराल में आने के लिए माफी चाहती हूं, बूंदाबांदी के बीच प्रियंका वाड्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अंधकार है, इस अंधेर नगरी का चौपट राजा है। उद्योग चौपट, रोजगार चौपट, महंगाई चरम पर है, फिर भी वे कहते हैं कि प्रदेश आगे बढ़ रहा है, जबकि सब पीछे जा रहा है। टीईटी के पेपर लीक हो रहे हैं। युवाओं की सालों की मेहनत बेकार चली गई।

मैंने कई युवाओं से बात की, सभी में निराशा है। लखनऊ की एक महिला से बात हुई । उसने बताया कि घरों में काम करके बेटी को पढ़ाया, लेकिन सब बेकार चला गया। पेपर माफिया, खनन माफिया, नदी माफिया, माफिया ही माफिया हैं। गनीमत है की सांस पर कोई माफिया नहीं है। आप सभी से नाराजगी है कि आप ऐसे नेताओं को चुनते हैं, जो आपके अधिकार हड़पते हैं, झूठे वादे करते हैं। किसान आंदोलन से एक बात समझ में आई है कि आप ठान लें तो सब कुछ बदला जा सकता है। काले कानून वापस लिए गए। आंदोलन में 700 लोग शहीद हुए। प्रधानमंत्री ने दो मिनट का मौन तो दूर एक शब्द नहीं बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक शब्द नहीं कहा। कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का हवाई जहाज 8000 करोड़ का खरीदा गया, जबकि आपका गन्ना भुगतान केवल 4000 करोड़ का है। संसद के सुंदरीकरण पर 20 हजार करोड़ खर्च कर रहे हैं जबकि आपका कर्जा माफ करने की बात पर कहते हैं कि पैसा नहीं है। अगर सरकार बनी तो 2500 में किसानों का धान खरीदा जाएगा। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि चार सौ रुपये कुंतल में गेहूं खरीदा जाएगा, इस बीच पीछे से टोकने पर कहा कि माफ कीजिए 400 रुपये कुंतल में गन्ना खरीदा जाएगा। मुरादाबाद को स्मार्ट सिटी बनाया जाएगा। महासचिव ने कहा कि वे महिलाओं को मजबूत करने की बात कर रहे हैं, लेकिन एक सिलेंडर देने से सशक्तीकरण नहीं होगा। मैं आपको सशक्त बनाऊंगी। आपके लिए लड़ूंगी। इसलिए 40 फीसद सीट महिलाओं के लिए दी जा रही है। आपकी लड़ाई लड़ने कोई नही आएगा, मैं आपके साथ खड़ी हूं। सरकार बनी तो किसानों का कर्जा माफ होगा। बिजली का बिल हाफ होगा, महिलाओं को स्कूटी दी जाएगी। अगर सरकार आई 10 लाख तक का इलाज मुफ्त कराएगी। वृद्धावस्था पेंशन हजार रुपये मिलेंगे। आप अपने नेताओं से हिसाब नहीं मांगते।समाजवादी का नया नारा सुना है कि आ रहे हैं अखिलेश, वह एनआरसी, सीएए पर कुछ नही बोले। मुजफ्फरनगर में युवक की हत्या हुई, आदिवासियों का नरसंहार, उन्नाव और हाथरस में क्या अखिलेश आए। लखीमपुर खीरी में किसानों को कुचला गया क्या अखिलेश आए। अब चुनाव आ गए तो अखिलेश क्यों आ रहे हैं। कांग्रेस पांच साल से सड़कों पर लड़ाई लड़ती रही। इलाहाबाद में अनुसूचित परिवार की हत्या हुई, तब बसपा, सपा क्यों आगे नहीं आईं। मैं उस परिवार से मिली।

नमामि गंगे योजना में सेंगर नदी के चयन पर ग्रामीणों ने किया डीएम का अभिनन्दन

नदी के विकसित होने से होगा क्षेत्र का विकास-आशीष

सड़क निर्माण भी शीघ्र

हाथरस।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की नदियों को विकसित करने के लिए गठित किए गए नमामि गंगे विभाग के तहत देश की नदियों को विकसित करने व गंगा का अविरल जल नदियों में पहुंचाने के लिए शुरू किए गए अभियान के तहत जनपद की सेंगर नदी का नमामि गंगे योजना में चयन होने व सेंगर नदी के विकास के लिए जनपद के जिलाधिकारी रमेश रंजन द्वारा भागीरथ प्रयास करने पर आज हाथरस के यशस्वी पालिका अध्यक्ष पं. आशीष शर्मा के नेतृत्व में हसायन व हाथरस ब्लॉक के दर्जनों गांव के लोगों ने जिलाधिकारी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया है और उनके भागीरथी प्रयास के लिए अभिनंदन भी किया गया। इसके साथ ही कैलोरा चौराहा से बरवाना चौराहा तक की जर्जर सड़क के भी निर्माण की बात को रखा गया। जिस पर शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू होने का आश्वासन भी दिया गया।

उल्लेखनीय है कि देश की नदियों को विकसित करने व गंगा का अविरल जल उनमें पहुंचाने व नदियों के माध्यम से खेती किसानी को बढ़ावा देने तथा किसानों के उत्थान हेतु पानी को टेल तक पहुंचाने के लिए नमामि गंगे योजना का प्रोजेक्ट केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया है। जबकि उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वच्छ जल के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जनपद की सेंगर नदी का नमामि गंगे योजना में चयन किया गया है और सेंगर नदी का नमामि गंगे योजना में चयन होने पर सेंगर नदी पर गत दिनों जिलाधिकारी रमेश रंजन, पालिकाध्यक्ष आशीष शर्मा एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा सेंगर नदी का पूजन भी किया गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सेंगर नदी का नमामि गंगे योजना में चयन होने से जहां उक्त सेंगर नदी का समुचित विकास होगा वहीं नदी में अविरल पानी की धारा बहेगी।

स्वर्णकारों से चोरी व ठगी की घटनाओं के खुलासे की मांग

हाथरस। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव ऐंहन व कोतवाली सदर क्षेत्र में रूई की मंडी में 2 सर्राफों के साथ घटित चोरी व ठगी की घटनाओं का खुलासा किए जाने की मांग को लेकर आज अखिल भारतीय श्री माहौर क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर उक्त घटनाओं के खुलासे की मांग की गई है।

अखिल भारतीय श्री माहौर क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया है तथा ज्ञापन में महासभा द्वारा कहा गया है कि थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव ऐंहन में गत 26 नवंबर को दीपक वर्मा स्वर्णकार के यहां पर हुई लाखों रुपए की नगदी व जेवरातों की चोरी की घटना को 1 सप्ताह बीत गया है लेकिन उसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। जबकि कोतवाली सदर क्षेत्र के रूई की मंडी में चंद्रोदय ज्वैलर्स से पुलिस की वेशभूषा में ठग द्वारा की गई ठगी की वारदात का खुलासा नहीं हुआ है और उक्त घटना सीसीटीवी में कैद है और स्पष्ट फोटो भी मौजूद है और ठग कई बार इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। इसके साथ ही सर्राफा व स्वर्णकार बाजारों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वर्णकार बंधुओं को शीघ्र ही कार्यवाही व घटना के खुलासे कराए जाने का आश्वासन दिया गया है।

आबादी के बीच कुएं पर निर्माण को लेकर गहराया विवाद

अमरोहा। शहर में कुएं पर चल रहे निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया। स्थानीय लोगों के विरोध पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया। नगर पालिका की टीम ने भी निरीक्षण किया, जांच में कुआं पालिका के संपत्ति रिकॉर्ड में दर्ज निकला। बुधवार की सुबह शहर के मोहल्ला कोट में एक व्यक्ति द्वारा एक स्थान पर निर्माण कार्य कराया जा रहा था। जिसे पुराना कुआं बताते हुए मोहल्ले के ही लोग विरोध में उतर आए। विवाद बढ़ने की सूचना पर नगर पालिका के कार्यालय अधीक्षक असद जमाल व कर निरीक्षक शेलेंद्र शर्मा मय टीम के मौके पर पहुंच गए। संपत्ति की जांच पड़ताल की तो पालिका रिकॉर्ड में कुआं दर्ज निकला। जिसके बाद नपा कर्मियों ने काम रूकवाने की कोशिश की तो उक्त व्यक्ति ने अदालत के आदेश होने की बात कहकर निर्माण रोकने से इंकार कर दिया। इसके बाद लोगों ने कोतवाली में अपनी शिकायत दर्ज कराई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विवाद का हल न निकलने तक निर्माण कार्य रुकवा दिया।

कई शातिरों को पहुंचाया हवालात

मुज़फ्फरनगर। शहर कोतवाल आनंद देव मिश्र के नेतृत्व में रामलीला टिल्ला चैकी प्रभारी जोगिंद्र पाल सिंह व आबकारी चैकी प्रभारी राहुल कुमार व बुढाना चैकी प्रभारी भूपेंद्र कुमार अपने अपने क्षेत्र में दिन रात महंत करते हुए ऐसे लोगो के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर उन्हें जेल भेज रहें है। अपराध उन्मूलन अभियान को अमलीजामा पहनाते हुए रामलीला टिल्ला चैकी इंचार्ज जोगिंदर पाल सिंह ने एक वारंटी सुबोध कुमार पुत्र राम प्रसाद निवासी रामलीला टिल्ला को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। वहीं दूसरी ओर आबकारी चैकी प्रभारी राहुल कुमार ने एक नाजायज छुरी के साथ एक युवक को दाल मंडी कट के पास से गिरफ्तार किया है पकड़ा गया का अभियुक्त का नाम बिट्टू पुत्र कोमल निवासी रविदास मंदिर के पास आर्यपुरी थाना कोतवाली बताया जा रहा है तथा वहीं तीसरी और बुढ़ाना मोड़ चैकी प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने एक वारंटी कल्लू उर्फ सोनू पुत्र महावीर सिंह निवासी ग्राम पीना को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है ।

जिले में 7472 छात्र-छात्राओं को 2 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति का वितरण

हाथरस। वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा प्रथम चरण के तहत जनपद में समस्त वर्गों के 7472 छात्र-छात्राओं को दो करोड़ सतासी लाख उनसठ हजार चार सौ सत्ताइस रूपये की धनराशि का वितरण कर बधाई दी।

जिलाधिकारी रमेश रंजन, ने एन.आई.सी. कलेक्ट्रेट में जनपद के विभिन्न स्कूलों में शिक्षारत छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र वितरित कर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। छात्रवृत्ति, शुल्कप्रतिपूर्ति के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2021-22 हेतु कक्षा 9-10 में शिक्षारत अनुसूचित जाति के 562, सामान्य वर्ग के 271, पिछड़ा वर्ग के 1726 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 179, कक्षा 11-12 में शिक्षारत अनुसूचित जाति के 1008, सामान्य वर्ग के 456, पिछड़ा वर्ग के 1842 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 195 तथा स्नातक, स्नातकोत्तर में शिक्षारत अनुसूचित जाति के 193, सामान्य वर्ग के 146, पिछड़ा वर्ग के 447 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 447 को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किये।

नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी व परियोजना निदेशक अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक रितु गोयल, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी डी.के. सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी शिव कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रतिभापाल आदि उपस्थित थे।

रामपुर में चौकी इंचार्ज की कार ने सवारियों को उड़ाया, आठ गंभीर

रामपुर। रामपुर जिले के ढकिया चौकी में तैनात दरोगा की रॉन्ग साइड चलती कार ने चौराहे पर खड़ी सवारियों को उस वक्त उड़ा दिया जब वह सामने से आ रहे ट्रक से बचाने का प्रयास कर रहे थे। कार की टक्कर से दर्जनभर सवारियां घायल हो गईं , जिनमें आठ की हालत गंभीर बनी हुई है। रोंग साइड से आ रही ढकिया चौकी इंचार्ज सुरेंद्र कुमार सिंघ की कार ने बस के इंतजार में खड़े 12 लोगों को उड़ा दिया, जिसमें आठ की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद चौराहे पर लोगों में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए शाहबाद सीएचसी भिजवाया गया । बाद में जिला अस्पताल के लिए 5 घायलों को रेफ़र कर दिया गया। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने ढकिया चौकी इंचार्ज को पीट दिया जिससे वह मौके से फरार हो गए ।सैफनी की ओर से ढकिया चौकी इंचार्ज अपनी गाड़ी से शाहबाद की ओर जा रहे थे। वहां के लोगों के अनुसार रोंग साइड से आई10 कार और दूसरी साइड से ट्रक आ रहा था। एक दूसरे को बचाने के चक्कर में ढकिया चौकी इंचार्ज की कार अनियंत्रित होकर बस के इंतजार में चौराहे पर खड़े यात्रियों पर चढ गई। कार चढ़ने से चौराहे पर चीख-पुकार मच गई और भीड़ एकत्र हो गई। हालांकि इस दौरान ढकिया चौकी इंचार्ज अपनी कार लेकर नहीं भागे। उन्होंने कार को एक तरफ को खड़ी करने के बाद विभाग को फोन करना शुरू कर दिया लेकिन जब बाद में चौराहे पर मौजूद भीड़ को चालक का पता लगा तो, आक्रोशित भीड़ ने ढकिया चौकी इंचार्ज के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान चौराहे पर मौजूद अन्य लोगों ने हाथापाई कर रही भीड़ से ढकिया चौकी इंचार्ज को छुड़ाया। उधर घायलों को शाहबाद भेज दिया गया।

रामनगर में अवैध खनन व ओवरलोड वाहन के खिलाफ एसडीएम ने की कार्यवाही,1 लाख 35 हज़ार का वसूला जुर्माना

रामनगर। ओवरलोड वाहन व अवैध खनन के खिलाफ अब अभियान चलेगा। शासन व डीएम ने इसके लिए आदेश कर दिया है। रामनगर के अलग-अलग क्षेत्रों के लिए टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें छापेमार कार्रवाई करेंगी।बुधवार को टीमों ने ओवरलोड व अवैध खनन के दो डंपर वाहनों को पकड़ने की कार्यवाही की।

रामनगर में प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। एसडीएम गौरव चटवाल और तहसीलदार विपिन चन्द्र पन्त के नेतृत्व में टीम ने अवैध खनन के ख़िलाफ़ क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने अवैध खनन ढो रहे दो वाहनों को पकड़कर उसने जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की गई है।

एसडीएम गौरव चटवाल ने बताया कि कई दिनों से क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायतें आ रही थी। गठित टीम ने बुधवार रात रामनगर-काशीपुर मार्ग और आमपानी क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने एक वाहन में 40 घन मीटर ओवरलोड खनन व दूसरा वाहन में बिना प्रपत्रों का अवैध खनन बरामद किया। उन्होंने बताया कि जब वाहन संख्या यूके18/सीए 4770 के चालक से खनन से संबंधित दस्तावेज दिखाने को कहा तो वाहन चालक खनन से संबंधित कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाया। तहसीलदार विपिन चन्द्र पन्त के अनुसार गांव आमपानी क्षेत्र में टीम ने वाहन संख्या यूपी21/सीएन 7816 में भरे खनन की जांच की,तो वाहन में प्रपत्र के अनुसार 40 घन मीटर ओवरलोड खनन बरामद किया गया।इसके बाद प्रशासन की टीम ने दोनो वाहनों को पकड़कर लगभग 1 लाख 35 हज़ार रुपये का जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।इस दौरान टीम में एसडीएम गौरव चटवाल, तहसीलदार विपिन चन्द्र पन्त,नायब तहसीलदार दयाल चन्द्र मिश्रा, राजस्व उपनिरीक्षक तारा चन्द्र घिल्डियाल, आरिफ़ हुसैन, हरीश यादव आदि मौजूद रहे।

भाजपा सरकार में हो रहा हे दलितों का उत्पीड़न : सुधीर वाल्मीकि

मुजफ्फरनगर। पिछले दिनों हाथरस में दबंगों ने दलित युवती मनीषा के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसकी जीभ काटी एवं रीढ़ व गर्दन की हड्डी तोड़ दी। पुलिस प्रशासन द्वारा आठ दिन तक आरोपियों को बचाते रहना तथा पंद्रहवें दिन, युवती की मृत्यु होने पर परिवार की सहमति के बिना उसके शरीर को आग के हवाले कर देना, बर्बरता की पराकाष्ठा थी इन्ही अनेक घटनाओं पर गंभीरता दिखाते हुए सैनी नगर खतौली में सफाई कर्मचारी अध्यक्ष सुधीर वाल्मीकि के कार्यालय पर एक बैठक आयोजित हुई बैठक में भारतीय वाल्मीकि दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिंतवा भवर ने कहां अगर, हाथरस की लड़की ऊंची जाति और धन संपन्न परिवार से होती, तो क्या तब भी पुलिस एफआईआर लिखने में आठ दिन लगाती? बार-बार रिपोर्टों के साथ छेड़छाड़ करती, तथ्यों को पलटती, झूठे बयान देती, बलात्कार और हिंसा की बात को झूठ बताती? क्या पुलिस उसके पार्थिव शरीर को मां-बाप की सहमति के बिना रात में ऐसे ही जला देती *सपा नगर अध्यक्ष इरशाद जाट ने कहां* भाजपा सरकार में दलितों का उत्पीड़न हो रहा है समाजवादी पार्टी ही दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, सैनी, पाल, कश्यप व सर्व समाज की हितैषी है। *सुधीर वाल्मीकि ने कहां* जिस भाजपा ने कभी वाल्मीकि समाज के पैर धोकर चुनाव में वोट लिए उसी भाजपा सरकार में दलितों पर अत्याचार हो रहा है योगी सरकार ने वाल्मीकि समाज के लिए कोई काम नही किया आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में वाल्मीकि समाज समाजवादी पार्टी को वोट करेगा ब्रजपाल खुराना, ब्लॉक अध्यक्ष बंटी गहलोत, नगर अध्यक्ष सोनू महरौल, नगर उपाध्यक्ष संजय कैस्तल, शिवम कुमार, विनोद वाल्मीकि, देवेंद्र माहिव, फरमान मलिक, मास्टर गुलज़ार, गगन माहिव आदि उपस्थित रहे।

रामनगर द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी केक्षेत्र में आगमन पर उनका जोरदार स्वागत

रामनगर। उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन पश्चिमी क्षेत्र रामनगर द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी का क्षेत्र में आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ललित कुमार शर्मा ने बताया कि 1991 की वरिष्ठता व सेवा नियमावली को आचार संहिता से पहले हल करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश महामंत्री गिरीश चन्द्र नैथानी बुद्धि सिंह राणा प्रेम सिंह चौहान केसी पंत भुवन चन्द्र विनोद बहुगुणा मोहन सिंह चौहान मदन मोहन पांडे महेश तिवारी मोहन सिंह चौहान गोविंद सिंह विपिन कुमार जीवन लाल हीरा सिंह आदि मौजूद रहे।

देश और प्रदेश में है भय और भ्रष्टाचार मुक्त शासन - प्रशासन पुंडीर

सिकंदराराऊ। गांव खिजरपुर में आयोजित एक समारोह के दौरान भाजपा नेता उदय पुंढीर का ग्रामीणों द्वारा जोशीला स्वागत किया गया ।

श्री पुंडीर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में भय और भ्रष्टाचार से मुक्त शासन - प्रशासन चल रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपराधियों को नकेल डाली है। प्रदेश व केंद्र सरकार ने देश व सूबे में भय व भ्रष्टाचार से मुक्त शासन दिया है। बदमाश व माफिया कहीं नजर नहीं आ रहे। कभी सरिया व कच्छाधारी गैंग हुआ करते थे। जिनका कुछ पता नहीं चला कि कहां चले गए।

उन्होंने कहा कि गन्ना, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा सभी जगहों पर सरकार ने भरपूर काम किए हैं। देश ने जितनी तरक्की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हुई इतनी कभी किसी सरकार ने नहीं कराई। इस बार ईजनता ने दोबारा से बीजेपी को जिताने की ठान ली है। विधानसभा चुनाव में भाजपा फिर से इतिहास रचेगी।

इस अवसर पर शीलेन्द्र सिंह प्रधान मऊ, इंद्रदेव शर्मा, नेपाल सिंह पुंडीर, जय कुमार सिंह चौहान, उपेंद्र सिंह पुंडीर, कृपाल सिंह फौजी, मनवीर सिंह ,अमित चौहान, राम पुंडीर, अभिषेक पुंडीर ,भुवनेश चौहान, गिरीश पुंडीर ,मनवीर पुंडीर, बंटी पुंडीर ,आलोक पुंडीर ,पुष्पेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय का जोशीला स्वागत

सिकंदराराऊ। वार्ड नंबर 5 की जिला पंचायत सदस्य शीला देवी के आवास पर पूर्व सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय का प्रथम बार आगमन पर सर्व समाज के लोगों द्वारा फूल माला पहनाकर एवं शॉल उड़ाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट करके जोशीला स्वागत किया गया ।

श्रीमद् उपाध्याय ने कहा कि जिला पंचायत द्वारा पूरे जनपद में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। भाजपा विकास की राजनीति करती है। भाजपा के नेतृत्व में देश व प्रदेश विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया में देश को नई पहचान दिलाई है। वहीं उत्तर प्रदेश अब अपराध के लिए नहीं विकास के लिए जाना जाता है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीला देवी , योगेश यादव, सोमेश यादव , रामदास यादव, राकेश यादव, पिंकू यादव, सुखबीर यादव ,मुन्नालाल दीक्षित, चेतन शर्मा, आकाश दीक्षित, आशीष दीक्षित, वीरेंद्र शर्मा, मोहित यादव, प्रकाश कश्यप ,रोहित दीक्षित, रोहित दीक्षित, दुर्गेश पचौरी, रिंकू शर्मा, नव पंडित आदि उपस्थित थे।

धक्का प्रकरण बृहस्पतिवार को भी अधिवक्ता कलमबंद हड़ताल रहे

हाथरस। रोडवेज परिचालक द्वारा अधिवक्ता से अभद्रता कर चलती बस से ढक्का देने के मामले में बृहस्पतिवार को अधिवक्ता कलमबंद हड़ताल पर रहे। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायालय के अलावा परिवार न्यायालय व मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण न्यायालय में भी काम नहीं।

विदित हो कि संजय दीक्षित जो बतौर अधिवक्ता सेशन कोर्ट हाथरस पर प्रैक्टिस करते हैं। शुक्रवार को वह एक कार्य के सिलसिले में सासनी के एसडीएम कोर्ट के लिए हाथरस रोडवेज की बस सं या यूपी 81 बीटी 5977 से सासनी के लिए चले थे। बताते हैं, जब एसडीएम कोर्ट आया तो अधिवक्ता ने बस रोकने का आग्रह किया था। इस दौरान परिचालक ने बस रुकवाने के बजाय अधिवक्ता से अभद्रता की थी और दरबाजे के पास खड़े संजय दीक्षित को विवाद के दौरान चलती बस से उन्हें धक्का भी दे दिया था। घटना के दौरान अधिवक्ता के काफी चोटें आई थी और वह बस के पिछले पहियों नीचे आने बाल-बाल बचे थे। आरोपी परिचालक के खिलाफ कोई उचित कार्रवाई ना करने विरोध स्वरूप बृहस्पतिवार वार को भी अधिवक्तागण कलमबंद हड़ताल पर रहे।

शाकुन्तलम कालेज में मनाया विश्व एडस दिवस

हाथरस। सलेमपुर रोड स्थित शाकुंतलम कॉलेज फॉर टीचर्स एजुकेशन पर विश्व एड्स दिवस मनाया गया और इस मौके पर प्रशिक्षुओं को एड्स से बचाव एवं उपचार के बारे में जानकारी दी गई।

शाकुंतलम कॉलेज फॉर टीचर्स एजुकेशन सलेमपुर पर आयोजित विश्व एड्स दिवस में बीएड के प्रशिक्षुओं को एड्स जैसी खतरनाक बीमारी के बारे में बताते हुए उससे बचाव व उपचार के बारे में चर्चा की और इस मौके पर प्रवक्ता ओमवीर सिंह ने एडस के विषय में जानकारी देते हुए प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन किया। साथ ही प्रवक्ता चंद्रशेखर सिंह ने इस महामारी जैसी बीमारी से बचाव के बारे में प्रशिक्षु को अवगत कराया।

इस मौके पर बीएड प्रशिक्षु वासुदेव, यशवंत, विशाल, मनोज, कृष्णा, ज्योति सेंगर, रोहिणी पाठक, पूजा, दामिनी, सोनाली, प्रियंका आदि के अलावा महाविद्यालय प्रबंधक बीके शर्मा, सचिव राजेश शर्मा, सुधीर गौतम, हेमंत कुमार, निर्देश कुमार, शंकरलाल आदि मौजूद थे।

खाते से निकाले 39 हजार दिलवाये वापिस

हाथरस। अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन पर बातों में फसाकर पीडित के खाते से निकाले गए 39 हजार रूपये साइबर सेल टीम द्वारा वापस कराये गये।

गत 8 नव बर को प्रेमवीर सिसौदिया पुत्र महेश चन्द्र सिसौदिया निवासी ग्राम बघना विसाना चन्दपा द्वारा साइबर सेल कार्यालय आकर लिखित प्रार्थना पत्र के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी थी कि उसके पास अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन पर बातों में फंसाकर वादी के खाते से ओटीपी की जानकारी कर फोन-पे के माध्यम से 39 हजार रूपये निकाले गये।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में प्राप्त शिकायत पर तत्काल कार्यवाही करते हुए साइबर सेल टीम की सक्रियता व प्रयास से उक्त प्रकरण में प्रेमवीर सिसौदिया पुत्र महेश चन्द्र सिसौदिया के 39 हजार रूपये वापस कराये गये। रुपये वापस पाकर प्रेमवीर सिसौदिया उपरोक्त ने खुशी का इजहार करते हुये कार्यालय साईबर सैल पहुँचकर पुलिस को धन्यवाद कहा तथा साइबर सेल टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

साइबर सेल टीम में साइबर सेल प्रभारी चतर सिंह राजौरा, का. अलोक कुमार व मोहित कुमार शामिल थे।

चार छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र मिलने पर प्राचार्य ने दी बधाई

हाथरस। सेठ फूलचन्द बागला महाविद्यालय की चार छात्राओं को जिलाधिकारी द्वारा छात्रवृत्ति के प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस पर बागला महाविद्यालय के प्राचार्य डा. महावीर सिंह छोंकर ने हर्ष व्यक्त कर भूगोल विभाग में छात्राओं को शुभकामनायें प्रदान कर आशीर्वाद दिया। बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा गुनगुन वर्मा, सुमायला, प्रीति बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा को जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्राचार्य डा. छोंकर डा. रजनीश, डा. राजेश कुमार हिन्दी, डा. दानिश मुह मद आदि ने छात्राओं को शुभकामनाएँ देकर हर्ष व्यक्त किया है।

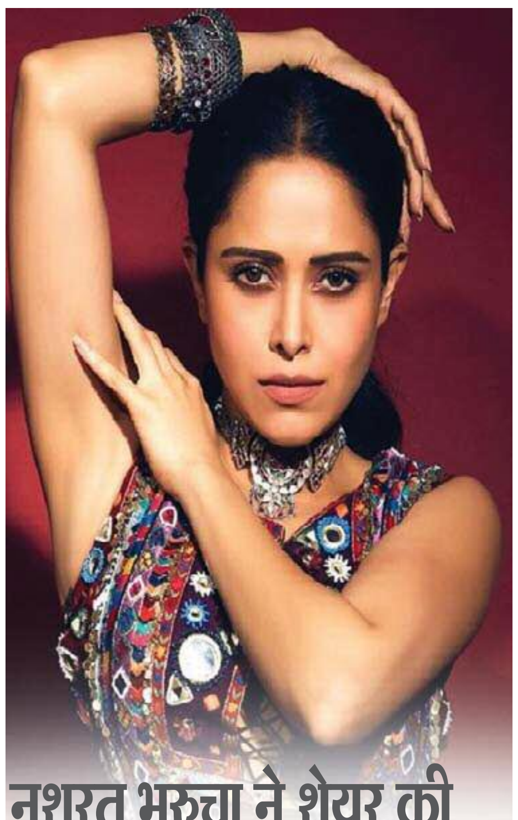

नुशरत भरुचा ने शेयर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें, नजरें हटाना हुआ मुश्किल

अभिनेत्री नुशरत भरुचा ने हाल ही में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई फिल्म 'छोरी' में अपनी दमदार एक्टिंग के जरिये लाखों दर्शकों का दिल जीता। फिल्म में अपने किरदार को लेकर उनकी हर जगह वाहवाही हो रही है। अब उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें सोशल पर शेयर की। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। तस्वीरों में नुशरत भरुचा ने कट स्लीव्स धोती स्कर्ट पहन रखा है और तस्वीरों में उनकी क्लीवेज लाइन साफ देखी जा सकती हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में नुशरत भरुचा बेहद ही सुन्दर लग रही है और दर्शकों को उनकी ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही है। अब तक उनकी इन तस्वीरों को 2 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। उनके फोटो पर लोगों ने कमेंट भी किये हैं। कई फैंस ने इमोजी के कमेंट किये तो अन्य ने उन्हें ब्यूटीफुल, लवली, सुन्दर जैसे कमेंट किये। अभिनेत्री नुसरत भरुचा का जन्म 17 मई 1985 को मुंबई में हुआ था। नुशरत ने अपने अभिनय की शुरूआत एक विज्ञापन से की थी। उन्होंने लव सेक्स और धोखा, प्यार का पंचनामा, कल किसने देखा, आकाश वाणी जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में पहचान मिली। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती है। इंस्टाग्राम पर उनके 3.5 मिलियन फॉलोअर्स है।

शेरशाह के गानों की लोकप्रियता को देख बेहद खुश है करण जौहर

फिल्म निर्माता करण जौहर अपनी फिल्म शेरशाह के गानों को मिल रही सफलता से काफी उत्साहित हैं। उनकी फिल्म शेरशाह का साउंडट्रैक सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला एल्बम बन गया है। उनका कहना है कि ये जानकर उन्हें बेहद खुशी हुई है कि फिल्म के गीतों ने दुनिया भर एक अरब ऑडियो स्ट्रीम को छुआ है। सोनी म्यूजिक द्वारा जारी सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म का एल्बम एक नहीं बल्कि दो कारणों से चार्ट में सबसे ऊपर है। यह वर्ष का सबसे कामयाब एल्बम बन गया है। करण ने कहा, यह मुझे बेहद खुशी देता है कि गीतों ने 1 अरब ऑडियो स्ट्रीम को छुआ है। चार्ट के शीर्ष पर होना और दर्शकों का हमारी धुनों पर थिरकना अच्छा लगता है। एल्बम में तनिष्क बागची, जुबिन नौटियाल, असीस कौर, बी प्राक, जसलीन रॉयल, दर्शन रावल और पलक मुच्छल के गाने शामिल हैं। एल्बम की सफलता के बारे में बात करते हुए, सिद्धार्थ ने कहा शेरशाह को जिस तरह की प्रतिक्रिया मिली है, वह विनम्र है और मैं निरंतर स्नेह को देखकर उत्साहित हूं। मेरा जुनूनी प्रोजेक्ट होने के नाते मैं फिल्म के संगीत चयन में गहराई से शामिल था। हमने ऐसे गाने चुनना सुनिश्चित किया जो फिल्म की हर भावना के लिए सही फिट हों और दर्शकों ने जिस तरह से एल्बम को अपनाया है, उसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस जादुई एल्बम के लिए सभी कलाकारों और गायकों का आभारी हूं। इसके गाने 1 अरब ऑडियो स्ट्रीम तक पहुंच गए हैं। दर्शकों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।

अरुणाचल प्रदेश के ब्रैंड ऐंबेसडर बने संजय दत्त

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति, खान-पान और वहां के लोगों की सराहना की है। अभिनेता 'अरुणाचल प्रदेश के 50 साल'महोत्सव के ब्रांड एम्बैस्डर बने हैं। उन्होंने कहा कि वह बाहर के लोगों के सामने अरुणाचल प्रदेश की विशिष्टता को उजागर करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने सोमवार को राज्य के शियोमी जिले के मोचुका में महीने भर चलने वाले उत्सव के लिए मीडिया अभियान की शुरुआत की। अरुणाचल प्रदेश के एक केंद्रशासित राज्य के रूप में अस्तित्व में आने के उपलब्ध में यह समारोह अगले साल 20 जनवरी से 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

फिल्म 'मुन्ना भाई'से एक अलग पहचान बनाने वाले संजय दत्त ने लोगों की तालियों के बीच कहा, ''अपुन को बहुत बहुत खुशी होइला है कि अपुन अरुणाचल प्रदेश का ब्रांड एम्बेसडर बना है मामू। और अपुन ये स्टेट कभी छोड़ के नई जानेवालाज।'' उन्होंने कहा ''बनाया गया.. मत कहिए। मैं आपको बोल रहा हूं कि मुझे यहां बांध के ही रखिऐगा।'' इस दौरान अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और राज्य विधानसभा के अध्यच पसांग दोरजी सोना भी उपस्थित थे। सोना महोत्सव की आयोजन समिति के अध्यक्ष हैं। मंगलवार को सरकार की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि कभी नॉर्थ ईस्टर्न फंटियर एजेंसी (नेफा) कहलाने वाला अरुणाचल प्रदेश केंद्रशासित प्रदेश के रूप में 20 जनवरी 1972 को अस्तित्व में आया।

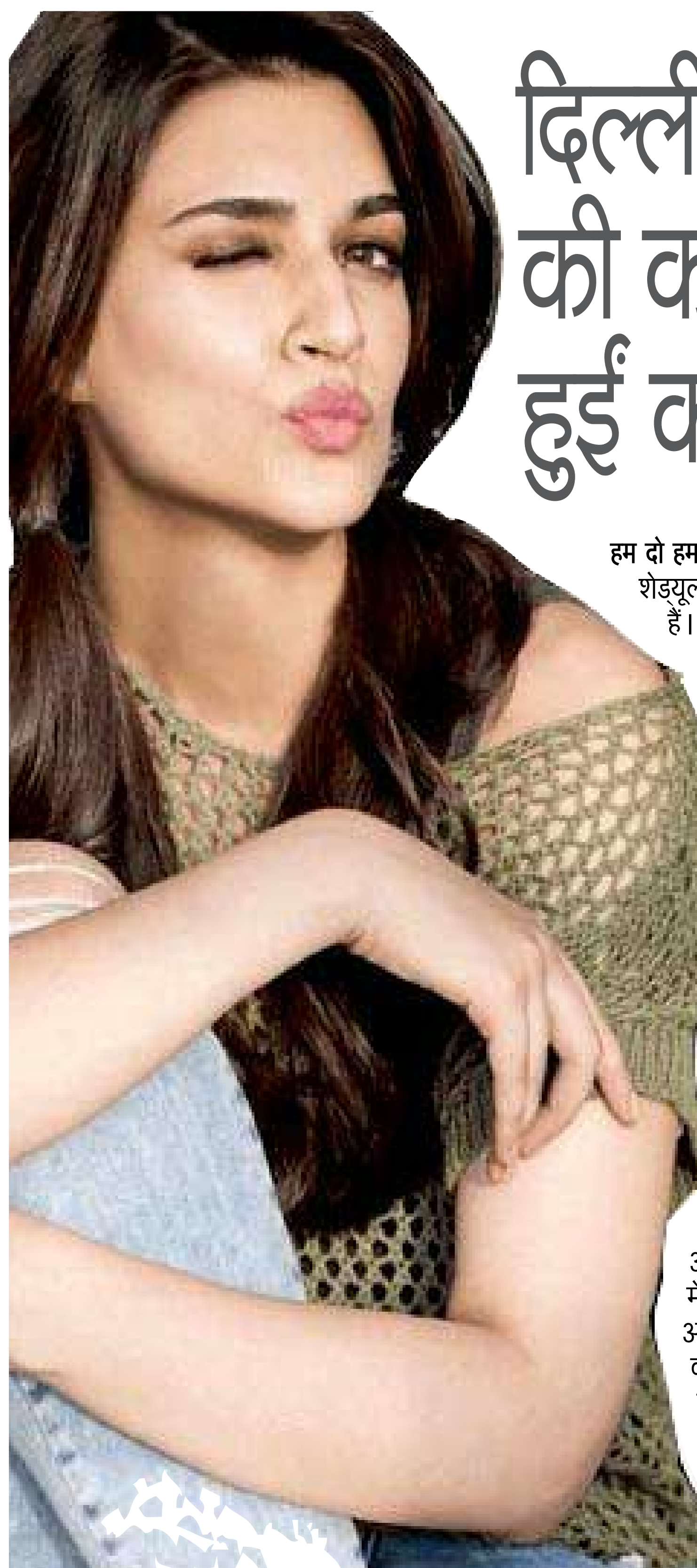

दिल्ली में शहजादा की कास्ट में शामिल हुईं कृति सैनन

हम दो हमारे दो की सफलता के बाद कृति सैनन फिल्म के दूसरे शेड्यूल के लिए दिल्ली में शहजादा की टीम में शामिल हो गई हैं। फिल्म का निर्देशन रोहित धवन कर रहे हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले कार्तिक आर्यन और परेश रावल के साथ दिल्ली के शेड्यूल को शुरू किया था। लंदन में अपना काम खत्म करने के बाद, कृति सैनन आज सुबह फिल्म क्रू में शामिल हुईं। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से इस संबंध में एक घोषणा की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में क्लैपबोर्ड का एक बूमरैंग साझा किया और लिखा, घर में शहजादी। निर्माता भूषण कुमार ने कहा कि हमें खुशी है कि हमारे दिल्ली के सेट पर कृति सैनन हैं। वह फिल्म में बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं। मुझे यकीन है कि दर्शक स्क्रीन पर उनके प्रदर्शन का आनंद लेंगे। सह-निर्माता अमन गिल ने कहा कि कृति सैनन सबसे सहयोगी अभिनेत्रियों में से एक हैं। मैं उनके साथ दिल्ली के शेड्यूल पर काम करने के लिए उत्सुक हूं। अब तक, हमें यहां शूटिंग में बहुत मजा आया है और मुझे यकीन है कि अभिनेत्री के साथ अब और मजा आएगा। इससे पहले, शहजादा ने अपने 20 दिनों के पहले शेड्यूल को फिल्म सिटी, मुंबई में स्थापित एक महलनुमा हवेली में पूरा किया था। टीम अब पुरानी दिल्ली में कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग करेगी, जिसकी शूटिंग जामा मस्जिद के आसपास पहले से ही चल रही है। शहजादा में कृति सैनन, कार्तिक आर्यन और परेश रावल के अलावा मनीषा कोइराला, रोनित रॉय और सचिन खेडेकर भी अहम भूमिका में हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अल्लू अरविंद, एस राधा कृष्ण और अमन गिल द्वारा निर्मित फिल्म में प्रीतम का संगीत होगा और यह नवंबर, 2022 में रिलीज होगी।

साल 2022 में काफी बिजी है एकता कपूर

2022 में एकता कपूर की पाइपलाइन में 27 से अधिक परियोजनाएं है। कुछ परियोजनाओं की शूटिंग हो चुकी है और रिलीज के लिए तैयार हैं जबकि कुछ अभी भी विकास के चरण में हैं। 2022 के कंटेंट कैलेंडर के बारे में बात करते हुए, एकता कहती हैं कि मैं यह घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित हूं कि मैं और मेरी टीम 2022 में 27 से अधिक परियोजनाओं को रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारे पास विभिन्न प्लेटफार्मों पर रिलीज करने के लिए कुछ अद्भुत सामग्री तैयार है, चाहे वह थिएटर हो, वेब हो, शो हो या टीवी चैनल। अपने प्रोडक्शन हाउस के प्रयोग के बारे में टिप्पणी करते हुए, उन्होंने आगे कहा कि बालाजी में हम हमेशा दर्शकों को मनोरंजन प्रदान करने के लिए प्रयोग करने में विश्वास करते हैं और अपनी आगामी परियोजनाओं के साथ हमने प्रयोग के स्तर को एक पायदान ऊपर ले जाने की कोशिश की है। ऑल्ट बालाजी पर आने वाले शो में हैशटैग वॉर्स, वैरडिक्ट 2, मेंटलहुड 2, अपहरण2, बॉयज लॉकर रूम, क्लास ऑफ 2021, बारिश 3, बैंड एड, पौरुषपुर 2, बैंक हाइस्ट, अ कोल्ड मैस और फैरी शामिल है। टीवी चैनल में नागिन 6, कसम तेरे प्यार की 2, कहां हम चले, इतना करो न मुझे प्यार 2 जैसे शो जल्द ही प्रसारित किए जाएंगे। फिल्मों की बात करें तो बालाजी मोशन पिक्च र्स की स्लेट एक विलेन रिर्टर्स, फेडी, यू टर्न, हंसल मेहता की अनटाइटल्ड थ्रिलर, जर्सी, गुडबाय, के टीना, शहजादा, शूटआउट एट भायखला, दोबारा और एलएसडी 2 जैसी दिलचस्प परियोजनाओं से भरी हुई है। एकता आने वाले वर्ष में अमिताभ बच्चन, जॉन अब्राहम, नीना गुप्ता, दिशा पटानी, करीना कपूर, हंसल मेहता और कई अन्य जैसे उद्योग के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के सदमे से बाहर निकलने के लिए अनाथ बच्चों के साथ वक्त बिता रही है शहनाज गिल

बिग बॉस 13 के विजेता सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के बाद उनकी प्रेमिका शहनाज गिल ठीक नहीं है। शहनाग गिल को सिद्धार्थ की मौत के बाद सार्वजनिक रूप से कहीं भी नहीं देखा गया। मौत के दो महीने पूरे हो गये है। पंजाबी मूवी हौंसला रख के प्रमोशन के दौरा बहुत ही कम समय के लिए शहनाज गिल को देखा गया था। वह सोशल मीडिया से भी काफी दूर थी। अब लंबे समय बाद सिद्धार्थ शुक्ला की यादों को समेट कर शहनाज गिल ने हिम्मत की और घर से बाहर निकली हैं। शहनाज गिल ने अपने दिल को बहलाने के लिए अनाथालय पहुंची। जहां वह दिव्यांग बच्चों से मिली।

सितंबर में सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद से सुर्खियों से दूर रहने के बाद, शहनाज़ गिल ने आखिरकार सार्वजनिक रूप से कदम रखा। सिंगर और एक्ट्रेस शहनाज गिल ने हाल ही में अमृतसर में एक अनाथालय का दौरा किया और बच्चों के साथ बातचीत की। जैसे ही उनकी यात्रा की तस्वीरें वायरल हुईं, प्रशंसक सिद्धार्थ शुक्ला के ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 अगस्त्य के लुक के साथ उनके चश्मे वाले अवतार की तुलना करने लगे। शहनाज गिल जब अनाथालय पहुंची तो बेहद सादगी के साथ। उन्होंने आंखों पर चश्मा लगाया हुआ था। उन्होंने काले रंग की डेनिम के साथ हरे रंग का स्वेटर और ठंड से बचने के लिए शॉल ओढ़ी हुई थी। शहनाज़ गिल अपने सिंपल अवतार में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। वह अनाथालय में बच्चों और बुजुर्गों के साथ मुस्कुराती और पोज देती नजर आ रही हैं। जिन लोगों से शहनाज मिली उनमें से कुछ शारीरिक रूप से अक्षम हैं, लेकन अपने बीच लोकप्रिय अभिनेता को पाकर खुशी से झूमते दिखायी दिए। वहां पर मौजूद लोगों ने शहनाज गिल के साथ वक्त बिताया। वे उन्हें गले लगाकर आशीर्वाद देते नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में, शहनाज़ की माँ भी उनके बगल में दिखाई दे रही है और वह सभी से उनका हालचाल पूछ रही है।

सोशल मीडिया पर सिडनाज के फैंस ने सिद्धार्थ और शहनाज के चश्मे के साथ कोलाज शेयर करना शुरू कर दिया। उन्हें 'राजा और रानी' कहते हुए, उन्होंने इतनी मजबूत और परिपक्व होने के लिए भी उनकी सराहना की। सिडनाज़ की बिग बॉस 13 की बातचीत के एक संदर्भ का उपयोग करते हुए, प्रशंसकों ने शहनाज़ को दु:ख पर काबू पाने के लिए प्यार भेजा।

आहार में जरूरी फाइबर

आपने बैलेंस डाइट लेने के बारे में हजारों बार सुना होगा, बैलेंस डाइट यानी कि संतुलित आहार और इस आहार में वे सारी चीजें आती है, जिसकी हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए जरूरत होती है जैसे कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, मिनरल और फाइबर आदि। फाइबर यानी कि रेशे युक्त भोजन, कई बार लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करना भूल जाते हैं।

- रेशा प्रिबायोटिक है। इससे कोलोन में मित्र बैक्टीरिया में वृद्धि होती है।
- फाइबर एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है।
- डाइट में लिया गया फाइबर बुरे कॉलेस्ट्रॉल को भी बढ़ने से रोकता है।
- रेशे वाला भोजन खाने की संतुष्टि देता है। इससे पेट भरा रहता है।
- इसके विपरीत रेशे रहित पदार्थ मैदा इत्यादि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।
- फल, सब्जी, साबुत अनाज और दालों से फाइबर प्राप्त किया जा सकता है। भारतीय भोजन में फाइबर मौसमी फल, रोटी, सब्जी, तुअर दाल, उड़द दाल, मूंग की दाल, राजमा आदि से प्राप्त हो सकता है।
- रेशा या फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है। सिर्फ इतना ही नहीं भोजन में पर्याप्त फाइबर, डाइबिटीज, कैंसर, हृदय रोग और मोटापे को भी दूर रखता है।

ब्रेकफास्ट करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

ब्रेकफास्ट हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। दूसरी ओर कुछ लोगों का मानना है कि ब्रेकफास्ट करने और न करने से कोई भी अंतर नहीं पड़ता है। इस संदर्भ में मेदांता द मेडिसिटी, गुडग़ांव की चीफ न्यूट्रिशनिस्ट एवं डायबिटीज एजुकेटर शुभदा भनोत कहती हैं कि अगर आप स्वस्थ रहना चाहती हैं तो हर दिन बगैर किसी अवरोध के ब्रेकफास्ट करना बहुत आवश्यक है। ब्रेकफास्ट करने वाले लोगों का ब्रेकफास्ट न करने वाले लोगों की तुलना में न केवल शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है और वजन भी नियंत्रित रहता है। ब्रेकफास्ट करने से बॉडी फिट और स्लिम रहती है। साथ ही दिमागी तनाव भी नहीं होता है। रात में सात-आठ घंटे की नींद लेने के बाद सुबह ब्रेकफास्ट लेना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इससे शरीर के मेटाबॉलिज्म को सुचारु रूप से सक्रिय करने में मदद मिलती है।

पांच विंटर स्पेशल आउटफिट्स बनाएंगे आपको अधिक स्टाइलिश

ठंड का मौसम फैशन के लिए एकदम मस्त सीजन है। गर्मी और बारिश के मुकाबले यह मौसम हर तरह से अनुकूल है। इसमें आप ड्रेस को बहुत अच्छे से पहन सकते हैं। कई बार आइडिया नहीं होने पर कुछ समझ नहीं आता है कि ठंड में किस तरह की ड्रेस पहनें, वेस्टर्न, इंडियन, इंडो वेस्टर्न पर किस तरह की ड्रेस पहनना चाहिए। तो चलिए आज ठंड के अनुसार अपनी वॉर्डरोब को भी अपडेट कर लीजिए – ताकि इस सर्दी सीजन में आप स्टाइलिश और खूबसूरत दिख सकें।

ब्लेजर - ब्लेजर सदाबहार है। आप इसे हर तरह के आउटफिट पर आराम से पहन सकते हैं। यह शॉर्ट ड्रेस के साथ बूट्स, साड़ी, शर्ट, टॉप, लहंगा, स्कर्ट सभी पर आराम से पहन सकते हैं। इसकी खासियत है कि यह स्टाइलिश लुक देता है।

वूलन लेगिंग - विंटर में वूलन लेगिंग यह पहनने में कंफर्टेबल और स्टाइलिश दोनों है। ठंड में जींस में आरामदायक नहीं होती है। इसकी जगह वूलन लेगिंग पहन सकते हैं। यह कलरफुल भी आती है। आपको लॉन्ग टॉप, कुर्ता, ब्लेजर आराम से पहन सकते हैं। साथ ही इसके साथ किसी भी तरह के फुटवियर भी पहन सकती हैं।

स्कार्फ - ठंड के सीजन में स्कार्फ को अलग - अलग तरह से पहन कर स्टाइलिश लुक दिया जा सकता है। आप इंडो वेस्टर्न, वेस्टर्न, टॉप, शॉर्ट्स पर भी स्कार्फ डाल सकते हैं।

स्वेटशर्ट - अगर आप सिर्फ सिंपल लुक पसंद करते हैं तो स्वेटशर्ट बेस्ट ऑप्शन है। इसे आप वुलन लैगिंग पर भी पहन सकती हैं। और इसके स्टॉल जो आपको परफेक्ट वेस्टर्न लुक देगा। साथ ही आप शूज, हाई हिल या बूट्स पहन सकती है।

गलब्स - अगर आपको हाथ में बहुत ठंड लगती है तो आप अलग-अलग ग्लव्स जरूर रखें। ताकि वेस्टर्न, साड़ी, फंकी ड्रेस के अनुसार ग्लव्स पहन सकों। क्योंकि लेदर ग्लव्स आप सभी ड्रेस पर नहीं पहन सकते हैं। और वह आपके स्टाइल स्टेटमेंट पर सवाल भी खड़ा कर सकते हैं।

पेट के रोगों के लिए अचूक औषधि हरड़

हरड़ का वैसे तो कई चीजों में उपयोग होता है। लेकिन हरड़ आपके शरीर के कई रोगों को भी दूर कर सकता है। कुछ लोग इसे माउथफ्रेशनर की तरह भी इस्तेमाल करते हैं। आइये जानते हैं हरड़ के नुस्खे जो आपके लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। हरड़ का काढ़ा त्वचा संबंधी एलर्जी में लाभकारी है। हरड़ के फल को पानी में उबालकर काढ़ा बनाए और इसका सेवन दिन मे दो बार करें इससे आपको एलर्जी में जल्द आराम मिलता है।

हरड़ नुस्खे के फायदे

- मुंह में सूजन होने पर हरड़ के गरार करने से फायदा मिलता है।
- इसका लेप भी फायदे मंद होता है।
- हरड़ का चूर्ण दांतो के लिए फायदेमंद है।
- हरड़ का इस्तेमाल बाल काले करने के लिए भी होता है
- हरड़ को नारियल तेल के साथ इस्तेमाल करने पर यह बालों को और चमकाता हैं।
- हरड़ को कब्ज़ को दूर करने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।
- हरड़ पुराने से पुराने कब्ज के लिए रामबाण औषधि है ।

सेहत का खजाना अनार के पत्ते

बहुत से फल, फूल, पौधे और जड़ी बूटियों का इस्तेमाल सदियों से दवा के रूप में किया जाता है, अनार के पत्ते भी उन्हीं में एक हैं। इससे सेहत को कई फायदे मिलते हैं। अनार के पत्तों में वो सभी जरूर पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं।

अनार के पत्तों के पोषक तत्व

इसके पत्तों में विटामिन ए, कैल्शियम, विटामिन डी, विटामिन सी, आयरन और मैग्नीशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं। यह सभी तत्व बेहतर सेहत के लिए जरूरी हैं।

कैसे करें अनार के पत्तों का इस्तेमाल

अनार के पत्तों का इस्तेमाल सलाद, फलों और सब्जियों के साथ स्मूदी या जूस में, कढ़ी, पास्ता सॉस या सूप जैसे व्यंजनों में पालक विकल्प के रूप में कर सकते हैं। इसके अलावा आप अनार के पत्तों की चाय भी बना सकते हैं। चलिए जानते हैं अनार के पत्ते आपके लिए किस तरह फायदेमंद हो सकते हैं।

एक्जिमा से राहत के लिए

गार्डन डॉट इको के अनुसार, एक्जिमा त्वचा की सबसे घातक बीमारी है। इससे ग्रस्त व्यक्ति लगातार खुजली और जलन से परेशान हो जाता है। कई बार तो गंभीर घाव भी हो जाते हैं और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ने लगते हैं। यह रोग वंशानुगत रूप से भी होता है। ऐसा माना जाता है कि इस चर्म रोग से छुटकारा पाने के लिए आप अनार के पत्तों को पीसकर लगा सकते हैं जिससे आपको कुछ दिनों में आराम मिलना शुरू हो सकता है।

भूख बढ़ाने के लिए

आयुर्वेदिक चिकित्सा में, इनका उपयोग भूख बढ़ाने और पाचन समस्याओं के लिए किया जाता है। आजकल खराब जीवनशैली और शारीरिक गतिविधियों के कम होने से बहुत से लोगों को भूख नहीं लगती है जिसकी वजह से वो कम खाते हैं। भूख बढ़ाने के लिए आपको अनार के पत्तों का इस्तेमाल करना चाहिए।

पिंपल्स से छुटकारा

अनार की पत्तियां फफोले से जल्द छुटकारा दिला सकती हैं। इसका पेस्ट बना लें या अनार के दानों को पीसकर फुंसियों पर लगाएं। आपको इससे लाभ मिलेगा। अनार का जूस एक बेहतरीन टोनर है, जो रोम छिद्रों को बंद करता है और आपकी त्वचा को सुंदर बनाता है।

पाचन क्रिया बनती है मजबूत

पाचन क्रिया खराब होने पर भोजन पूरी तरह से पचता नहीं है, जिसके कारण शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता। इसका मतलब यह है कि यह समस्या कई गंभीर बीमारीयों का कारण बन सकती है। बिना अच्छे पाचन तंत्र के सेहतमंद रहना मुश्किल है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए आपको अनार के पत्तों का इस्तेमाल करना चाहिए।

कान के दर्द में फायदेमंद

अनार के पत्ते भी कान के दर्द के लिए मददगार होते हैं। इसके पत्तों को अच्छी तरह से धोने के बाद, इसे पीसकर इसमें थोड़ी मात्रा में तिल या सरसों मिलाएं। इस मिश्रण की कुछ बूंदें अपने कान में डालने से आपको फायदा होगा।

अनिद्रा के लिए

नींद से संबंधित परेशानियों में सबसे पहले ज़िक्र होता है अनिद्रा का। भागदौड़ भरी जिंदगी और तनाव के कारण अधिकतर लोग अनिद्रा की समस्या के शिकार हैं। अनिद्रा के कई कारण हो सकते हैं। इसके लक्षणों में रात में सोने में कठिनाई, रात के दौरान जागना, दैनिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में समस्या, नींद और थकावट महसूस होना शामिल हैं। इससे बचने के लिए आप अनार के पत्तों की चाय पी सकते हैं।

पेट दर्द और दस्त के लिए

अनार के पत्ते पाचन प्रक्रिया के लिए फायदेमंद होते हैं। अगर आप पेट दर्द और इससे जुड़ी अन्य समस्याओं से पीड़ित हैं, तो अनार के पत्तों का सेवन दवा के रूप में किया जा सकता है। इनमें मौजूद पोषक तत्व और खनिज पाचन को उत्तेजित करने में मदद करते हैं, जिससे आपके शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है, साथ ही यह अपच और दस्त की परेशानी को दूर कर सकता है। इसके लिए आप अनार के पत्तों की चाय ले सकते हैं।

इन तरीकों से रखें अपने हाथों का ख्याल

बादाम और शहद

मिक्सी में 5 से 8 बादाम को अच्छी तरह से पीस लें। अब इस पाउडर को कटोरी में रखें और इसमें एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध मिलाएं। अब इन्हें अपने दूसरे हाथ की मदद से हाथों पर लगाएं और मसाज की तरह स्क्रब करें। 10 मिनट में आपके हाथ की डेड स्किन बाहर आ जाएगी और स्किन ग्लो करने लगेगी।

आपके पास अगर सी सॉल्ट है तो उसे एक कटोरी में लें और इसमें नींबू का रस मिलाएं। इसका एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इसमें एक चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं और अपने हाथों पर अप्लाई करें और मसाज करें। कुछ देर लगातार

ऐसा करने पर हाथ सुंदर और मुलायम हो जाएंगे।

चीनी और ऑलिव ऑयल

एक कटोरी में 5 चम्मच चीनी, 2 बड़े चम्मच ऑलिव ऑयल और 2 बूंद लैवेंडर एसेंशियल ऑयल को अच्छी तरह से मिलाएं और साफ हाथ पर अच्छी तरह से अप्लाई करें। कुछ देर रुककर दूसरे हाथ से इन्हें मालिश करें। लगातार मालिश करते रहने पर आप देखेंगे कि आपकी डेड स्किन बाहर आने लगी है साथ ही आपके हाथ शाइन करते और ब्राइट भी लग रहे हैं। इन्हें 15 मिनट बाद धोकर पोछें। आपके हाथ खूबसूरत नजर आएंगे।

ओटमील और दूध

एक कटोरी में 1 चम्मच शहद और 2 चम्मच ओटमील मिलाएं। इसमें एक चम्मच कच्चा दूध मिलाएं। इसे 5 मिनट ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे अच्छी तरह से अपने हाथों की त्वचा पर फैलाएं और मसाज करें। यह आपकी स्किन को नॉरिश भी करेगी और डेड स्किन भी बाहर निकालेगी।

विटामिन सी से भरपूर फ्रूट्स

विटामिन सी की कमी होने पर सीधा असर आपके इम्यून सिस्टम पर पड़ता है, हड्डियां कमजोर होने लगती, शरीर में कमजोरी महसूस होती है। लेकिन कई बार कुछ फल ऐसे होते हैं जिन्हें खाने से थकान दूर हो जाती है और कुछ ही पल में एनर्जी भी आ जाती है। विटामिन सी की कमी होने पर दूसरी बीमारियां भी जन्म लेने लगती है। जिससे शरीर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। संतरा और नींबू के अलावा अन्य किन फलों में विटामिन सी पाया जाता है, साथ ही ज्यादा महंगे भी नहीं हो। आइए जानते हैं-

पपीता

पपीता में विटामिन सी भी मौजूद होता है। इससे वजन ही कम नहीं किया जाता है बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाता है।

अमरूद

अमरूद में भी विटामिन सी प्रचूर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है।

आम

जी हां आम सीजन के शुरुआत में थोड़े महंगे जरूर होते हैं लेकिन गर्मी के सीजन में कम दाम में उपलब्ध हो जाते हैं। इसमें भी विटामिन सी मौजूद होता है। सीमित मात्रा में सेवन करने से पाचन शक्ति अच्छी होती है।

आंवला

आंवले में भी विटामिन सी मौजूद होता है। उसका सेवन भी मुरब्बा बनाकर सालभर किया जा सकता है। इसके सेवन से बाल, आंखों की रोशनी, नाखून भी बढ़ते हैं।

अंगूर

अंगूर में भी अन्य विटामिन के साथ विटामिन सी भी मौजूद होता है। इसके सेवन से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है। त्वचा के लिए भी काफी लाभदायक होता है।

लौंग से पाएं इन प्रॉब्लम से छुटकारा

- लौंग एक प्राकृतिक दर्द निवारक हैं और साथ ही यह रोगाणु से भी बचाता हैं। भुना हुआ लौंग गले की खराश से छुटकारा पाने में मदद करता है।
- लौंग बहुत तीव्र होता हैं, घाव के इलाज के लिए जैतून के तेल में थोड़ा-सा लौंग का तेल मिलाकर घाव पर लगाने से आप घाव से बहुत जल्द छुटकारा पा सकते हैं।
- भुने हुए लौंग का सेवन करने से आप उल्टी, दस्त, आंत्र गैस और पेट के दर्द आदि प्रॉब्लम से छुटकारा पा सकते हैं।

बढ़ती उम्र पर लगाएं लगाम

अगर आप बढ़ती उम्र पर लगाम लगाने के साथसाथ अपने सौंदर्य में भी निखार लाना चाहती हैं, तो जानिए इस फेशियल की खूबियां। बढ़ती उम्र पर लगाम लगाने की चाह हर महिला की होती है और इस चाह को पूरा करने के लिए वह ब्यूटी ट्रीटमैंट के तौर पर फ्रूट फेशियल, चौकलेट फेशियल व औक्सी फेशियल की तकनीक अपनाती है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि वाइन भी आप की बढ़ती उम्र पर लगाम लगाने के साथसाथ आप के सौंदर्य को बढ़ाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है? आप हैरान हो रही होंगी कि भला वाइन खूबसूरती निखारने व बढ़ती उम्र पर लगाम लगाने में कैसे मददगार हो सकती है? आप जैसी अनेक महिलाओं की वाइन फेशियल से जुड़ी इस जिज्ञासा को दूर करने का प्रयास किया दिल्ली प्रैस भवन में आयोजित गृहशोभा की फेब मीटिंग में ब्यूटी ऐक्सपर्ट मीनू अरोड़ा ने। मीनू अरोड़ा ने वाइन फेशियल के फायदे बताते हुए इसे करने का तरीका भी बताया।

वाइन फेशियल प्रक्रिया: वाइन फेशियल में इस्तेमाल किए जाने वाले काले अंगूरों में मुख्यरूप से विटामिन ई, ऐंटोसिनो साइड्स, पौलीफेनोल, प्रोसिया निडोल्स और ऐंटीऔक्सीडैंट्स जैसे तत्त्व पाए जाते हैं। वाइन के ऐंटीसैप्टिक होने के कारण वह त्वचा में आने वाली सूजन व झुर्रियों को भी कम करती है। इतना ही नहीं, त्वचा की डैड स्किन निकालने में भी मदद करती है।

क्लींजिंग व स्क्रबिंग: अन्य फेशियलों की तरह वाइन फेशियल की शुरुआत भी क्लींजिंग, स्क्रबिंग व टोनिंग से की जाती है। त्वचा की क्लींजिंग के लिए थोड़े से कच्चे दूध में 2 छोटे चम्मच ऐप्पल वाइन, 2 बूंदें रैड वाइन और गुलाब की पत्तियों की पीस कर मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। फिर कौटन बौल की सहायता से इस से त्वचा की क्लींजिंग करें। इस से त्वचा को मिनरल्स मिलते हैं। इस के बाद 200 एमएल गरम पानी में 1 छोटा चम्मच बोरिक ऐसिड मिला कर घोल बनाएं। उस घोल में कौटन भिगो कर चेहरे को हौट कंप्रैशन दें। इस से त्वचा के ब्लैकहैड्स व व्हाइटहैड्स निकलने में मदद मिलेगी। इस के बाद रोजवाटर का टोनर लगाएं ताकि ओपन पोर्स बंद हो जाएं। अब एकदम ठंडे नारियल पानी में कौटन डुबो कर चेहरे पर कोल्ड कंप्रैशन दें।

मसाज: ऐलोवेरा जैल में रैड वाइन मिक्स कर के 3 मिनट तक गैलवेमिक नैगेटिव व 3 मिनट तक गैलवेनिक पौजिटिव मसाज दें। आप चाहें तो मसाज मिक्सचर में विटामिन ई औयल भी डाल सकती हैं। गैलवेनिक मसाज देते समय ग्रेप्स जूस भी चेहरे पर डालती रहें।

पैक: अंत में गौज को रैड वाइन में डुबो कर चेहरे पर रखें व ऊपर से काले अंगूरों का पल्प लगाएं। 10 मिनट बाद पैक को उतार दें। इस पैक से त्वचा के उत्तक तो रिपेयर होते ही हैं, साथ ही त्वचा को टाइटनिंग इफैक्ट भी मिलता है। अंत में चेहरे पर सनब्लौक क्रीम या सनस्क्रीन लगाएं। सनस्क्रीन लगाने से सनबर्न व टैनिंग होने की संभावना कम हो जाती है।

त्वचा के अनुसार करें वाइन का चुनाव: अलगअलग प्रकार की त्वचा के लिए अलगअलग तरह की वाइन का प्रयोग किया जाता है। जहां तैलीय त्वचा के लिए रैड वाइन बेहतर रहती है और वह ऐलोवेरा मिला कर प्रयोग की जाती है, वहीं सूखी त्वचा के लिए व्हाइट वाइन में मौजूद अल्फा हाइड्रौक्सी ऐसिड्स त्वचा के लिए असरदार साबित होते हैं। इस से त्वचा मुलायम होती है। अगर त्वचा सैंसिटिव हो तो व्हाइट वाइन में गुलाबजल और बादाम का पेस्ट भी मिलाया जाता है। रैड वाइन में मौजूद ऐंटीऐजिंग तत्त्व त्वचा को रिजुवनेट और डिहाइड्रेट करते हैं। यही नहीं ये पिगमैंटेशन को रोकते हुए ऐजिंग प्रोसैस पर भी लगाम लगाते हैं।

मूंग,मोठ, सोयाबीन सहित ये अन्य चीजें भिगोकर खाएं

ठंड के दिनों में भूख बहुत लगती है। लेकिन जल्दी-जल्दी में कुछ भी खा लेते हैं। ऐसे में कुछ भी खाने की गंदी आदत से बचने के लिए अंकुरित दाल खाने के बेहतरीन लाभ आपको मिलते हैं। विटामिन ए, बी, सी, के, डी इनमें भरपूर पाया जाता है। सेहत और सौंदर्य दोनों लिहाज से ये आपके लिए बेहतर है। अंकुरित अनाज में कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, मैग्नीशियम, आयरन का बेहतरीन विकल्प है। अंकुरित अनाज में फोलेट, ओमेगा-3, फैटी एसिड भरपूर पाया जाता है। आइए जानते हैं 4 अनाज जिन्हें आप भिगोकर खा सकते हैं –

अंकुरित मूंग

रोज एक कटोरी अंकुरित मूंग का सेवन करना चाहिए। इससे आपको फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन,विटामिन बी6 मिलता है। इसमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होता है। एक कटोरी अंकुरित मूंग का सेवन करने से एसिडिटी की समस्या से निजात मिलेगी, आंखों के लिए बेहद लाभकारी, इम्यूनिटी बूस्ट करें, शरीर में तरावट बनी रहती है।

अंकुरित चना

अंकुरित चने में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन, मिनरल, विटामिन जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इसका सेवन करने से सबसे पहले अधिक खाने की आदत पर लगाम लगता है। कब्ज से राहत मिलती है, हीमोग्लोबिन बढ़ता है। त्वचा से जुड़ी परेशानियों मेंराहत मिलती है। एनर्जी का भी अच्छा स्त्रोत है।

अंकुरित मोठ या मटकी

अगर आप मोठ नहीं खाते हैं तो अंकुरित मोठ या मटकी जरूर खाएं। ये विटामिन और मिनरल्स का सबसे अच्छा स्त्रोत है। इसका सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। मांसपेशियां मजबूत होती है, तनाव कम होता है। अगर आप ब्लड प्रेशर के मरीज है तो अपनी डाइट में अंकुरित मोठ जरूर शामिल करें।

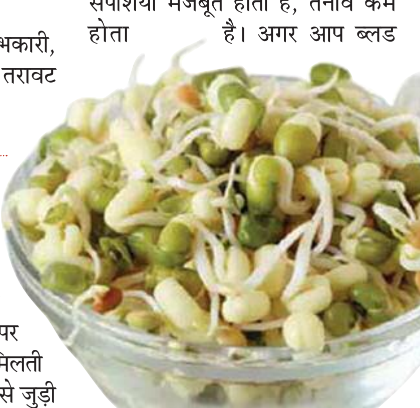

अंकुरित सोयाबीन

अंकुरित सोयाबीन का सेवन बहुत कम लोग करते हैं लेकिन अगर आप अंकुरित नहीं खा सकते तो उसमें प्याज, टमाटर,और ककड़ी भी मिक्स कर सकते हैं। यह प्रोटीन का सबसे बेहतर विकल्प है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है। शरीर के टिशू, सेल्स को बेहतर करने में मदद करता है। अंकुरित सोयाबीन खाने से कोलेस्ट्रॉल कम होता है, आयरन का बेहतरीन स्त्रोत है, वजन घटाने का बेहतरीन उपाय है और ठंड में हड्डियों को मजबूत करता है। अगर आप हाइपरटेंशन के मरीज है तो आपको अंकुरित सोयाबीन का सेवन करना चाहिए।

आज की रेसिपी

पालक सूप

यहां दो सुपर बोरिंग दा चीजों को मिलाकर यहा स्वादिष्ट और हेल्दी सूप तैयार किया गया है. इसमें आपको ओट्स और पालक की गुडनेस के साथ लौंग और लहसुन का स्वाद भी मिलेगा.

सामग्री :

- 1 टेबल स्पून जैतून का तेल
- 1 गुच्छा पालक
- 2 टेबल स्पून ओट्स
- 2-3 लहसुन की कली, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 हरे टमाटर, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 लौंग
- नमक और काली मिर्च
- नींबू का रस

विधि :

- एक पैन में जैतून का तेल गर्म करें. 2 से 3 मिनट के लिए लौंग, लहसुन, ओट्स, हरे टमाटर को और इसे भूनें.
- उबला, कटा हुआ पालक डालें और एक मिनट के लिए भूनें. 3 कप पानी डालें. नमक और काली मिर्च डालें. इसमें उबाल आने दें.
- सूप को ठंडा होने दें. एक बार पर्याप्त ठंडा होने के बाद, इसे स्मूद ब्लेंड कर लें. सही स्थिरता के लिए थोड़ा पानी डालें.
- इसे ठंडा या गर्म सर्व करें. थोड़ी ताजी क्रश काली मिर्च छिड़कें और इस पर नींबू निचोड़कर अपने सूप का मजा लें.

भारत-न्यूजीलैंड : आज से आखिरी टेस्ट

पहले दिन बारिश डाल सकती है खलल

नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज से खेले जाने वाले सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट के पहले दिन बारिश विलेन बन सकती है। मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है। मुंबई की बेमौसम बारिश का असर वानखेड़े की पिच पर भी पड़ सकता है। माना जा रहा है कि इससे पिच से गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ पर छूटा था, ऐसे में यह दोनों टीमों के लिए निर्णायक टेस्ट होगा। विराट कोहली की टीम में कप्तान के तौर पर वापसी होगी।

बुधवार को पूरे दिन बारिश के कारण दोनों टीमों को अपने ट्रेनिंग सेशन रद्द करने पड़े थे और गुरुवार को भी बारिश हुई। भारतीय टीम ऐसे में बांद्रा कुर्ला परिसर मैदान जाएगी, जहां इंडोर प्रैक्टिस की सुविधा है, जबकि वानखेड़े स्टेडियम में ऐसा नहीं है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच पर बिल्कुल भी घास नजर नहीं आ रही है, जिससे धीमे गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। शुक्रवार से होने वाले टेस्ट में हालांकि वानखेड़े की पिच से तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों को मदद मिलने की उम्मीद है। लगातार बारिश के कारण पिच को ढककर रखा गया है, जिसके कारण सतह के नीचे काफी नमी होगी। अतिरिक्त नमी से निश्चित तौर पर तेज गेंदबाजों को कानपुर से अधिक मदद मिलेगी, लेकिन इस तरह के विकेट से स्पिनरों को भी काफी टर्न मिलेगा। शुक्रवार को बारिश की भविष्यवाणी है, लेकिन दोनों टीमें खासकर भारत प्रार्थना करेगा कि दूसरे से पांचवें दिन मौसम का खलल नहीं हो। सभी की नजरें इस मैच के लिए भारतीय टीम के कॉम्बिनेशन पर भी टिकी हैं। प्लेइंग XI में कप्तान विराट कोहली की वापसी से मयंक अग्रवाल का बाहर होना लगभग तय है। हालांकि हेड कोच राहुल द्रविड़ और गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे सहित सहयोगी स्टाफ ने अजिंक्य रहाणे का समर्थन किया है जो खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

विराट वापसी पर टिकी भारतीय उम्मीदें

कानपुर में पहला टेस्ट कम रौशनी के चलते ड्रा हो जाने के बाद भारत की न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज जीतने की तमाम उम्मीदें कप्तान विराट कोहली की वापसी पर टिक गयी हैं, जो आज से यहां शुरू होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट में उतरेंगे और टीम की कप्तानी संभालेंगे। विराट को कानपुर में खेले गए पहले टेस्ट और उससे पहले टी-20 सीरीज में आराम दिया गया था। कानपुर टेस्ट अंतिम क्षणों में खराब रौशनी के चलते ड्रा रहा था, हालांकि भारत को जीत के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी। दूसरा और अंतिम टेस्ट आज से शुरू होने जा रहा है और भारत को सीरीज जीतने के लिए दूसरे टेस्ट को कब्जाना होगा।

विराट को न्यूजीलैंड से पिछली कई पराजयों का हिसाब-किताब भी चुकाना है। टी-20 विश्व कप के ग्रुप मैच में मिली हार और उससे पहले जून में इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से मिली हार के जख्म अब भी ताजा होंगे। विराट को इन पराजयों का हिसाब किताब एक साथ चुकाना होगा। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ के लिए विराट की वापसी किसी बड़े सिरदर्द से कम नहीं होगी। द्रविड़ को देखना होगा कि विराट की जगह के लिए उन्हें किस खिलाड़ी को बाहर करना होगा।

एक हफ्ते टल सकता है भारत का साउथ अफ्रीका दौरा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के साउथ अफ्रीका दौरे को एक हफ्ते आगे खिसकाया जा सकता है। साउथ अफ्रीका में कोविड-19 के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के सामने आने की वजह से ये फैसला लिया जा सकता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गुरुवार को पुष्टि की कि दोनों बोर्ड लगातार संपर्क में हैं और खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए कोई फैसला लिया जाएगा। भारत का साउथ अफ्रीका दौरा फिलहाल 17 दिसंबर से शुरू होने वाला है। एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि हम कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट की वजह से सीरीज को एक सप्ताह आगे बढ़ाने की चर्चा कर रहे हैं। दोनों बोर्ड लगातार संपर्क में हैं और हर चीज पर चर्चा की जा रही है। हमारे लिए हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा और हेल्थ बेहद जरूरी है। भारत को साउथ अफ्रीका दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेलने हैं। इससे पहले केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा था कि बीसीसीआई को दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट टीम भेजने से पहले सरकार से सलाह लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा था, न केवल बीसीसीआई बल्कि हर बोर्ड को उस देश में टीम भेजने से पहले भारत सरकार से सलाह लेनी चाहिए, जहां कोविड का नया वैरिएंट सामने आया है। टीम को उस देश में भेजना सही नहीं है, जहां खतरा है। अगर बीसीसीआई हमसे सलाह लेता है तो हम उस पर विचार करेंगे। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने नए कोविड वैरिएंट को B.1.1.1.529 का नाम दिया है। साउथ अफ्रीका में सामने आए इस वैरिएंट को ओमिक्रॉन के तौर पर पहचाना गया है।

अगले कुछ दिनों में साफ होगी तस्वीर : कोहली

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे को लेकर बयान दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि हम दौरे को लेकर बीसीसीआई से बात कर रहे हैं, हमें और स्पष्टता की जरूरत है, और उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में हम और अधिक जान पाएंगे, राहुल भाई ने सभी सीनियर खिलाड़ियों से बात की है, यह महत्वपूर्ण है कि हम भ्रम की स्थिति में न रहें। उन्होंने आगे कहा कि हम वैसे भी सामान्य समय में नहीं खेल रहे हैं, हमने अपनी टीम के सभी सदस्यों से बात की है।

साहा दूसरा टेस्ट खेलने के लिए तैयार

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को जानकारी दी कि विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने पुष्टि की साहा अपनी गर्दन की चोट से उबर चुके हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट आज से वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट कानपुर में खेला गया था। ये टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। विराट को पहले टेस्ट में आराम दिया गया था। कोहली ने दूसरे टेस्ट के शुरु होने से पहले मीडिया से बातचीत में कहा कि फिलहाल साहा फिट हैं। वह अपनी गर्दन की ऐंठन से उबर चुके हैं और बिल्कुल ठीक हैं। हम जल्दी ही टीम कॉम्बिनेशन पर चर्चा करेंगे। हमें मौसम में बदलाव को ध्यान में रखाना होगा और हमें उसी के अनुसार कॉम्बिनेशन चुनना होगा। दिन के अंत में, आप यह अनुमान नहीं लगा सकते कि क्या स्थिति पाचों दिन ऐसी बनी रहेगी या नहीं। इसलिए हमें ऐसे गेंदबाजों को चुनना होगा, जो सभी परिस्थितियों में निपट सकें।

गर्दन में ऐंठन की वजह से ऋद्धिमान साहा पहले टेस्ट के पांचवें दिन मैदान में नहीं उतर सके थे। उनकी जगह केएस भरत ने विकेटकीपिंग की। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि उनका आज से शुरू हो रहे टेस्ट मैच में डेब्यू हो सकता है। साहा ने दूसरी पारी में भारत के 51 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद नाबाद 61 रन बनाए थे।

विजय हजारे ट्रॉफी में बंगाल की अगुआई करेंगे सुदीप चटर्जी

कोलकाता। सुदीप चटर्जी आठ दिसंबर से शुरू हो रहे विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बंगाल के कप्तान बनाए गए। चटर्जी की अगुआई वाली बंगाल की टीम को इस महीने सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ सुपर ओवर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। बंगाल को एलीट ग्रुप बी में गत चैंपियन मुंबई, बड़ौदा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी के साथ रखा गया है।

टीम इस प्रकार है : सुदीप चटर्जी (कप्तान), श्रीवत्स गोस्वामी, अभिषेक दास, अनुस्तुप मजूमदार, सुमंत गुप्ता, रित्विक रॉय चौधरी, रंजोत सिंह खैरा, सुवनकर बल, कैफ अहमद, प्रदीप्त प्रमाणिक, रितिक चटर्जी, शाहबाज अहमद, करण लाल, सुजीत कुमार यादव, मुकेश कुमार, आकाश दीप, गीत पुरी, मोहम्मद कैफ, सायन शेखर मंडल और सायन घोष।

हमारा लक्ष्य अगले साल का विश्व कप : मिताली राज

नई दिल्ली। भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा है कि टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाला विश्व कप है और इस बड़े टूर्नामेंट से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज मिलना भारतीय टीम के लिए अच्छी बात है। भारत को मार्च-अप्रैल 2022 में होने वाले विश्व कप से पहले मेजबान न्यूजीलैंड से ही पांच मैचों की वनडे सीरीज में भिड़ना है। भारतीय टीम को महिला विश्व कप से पहले सिर्फ एक वनडे सीरीज खेलनी है, लेकिन कप्तान मिताली का मानना है कि उनकी टीम को विश्व कप के लिए अच्छी तैयारी मिली है। उन्होंने साथ ही कहा कि विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड का दौरा मिलना हमारे लिए काफी अच्छी बात है, क्योंकि इससे हमें परिस्थितियों से अभ्यस्त होने में मदद मिलेगी। मिताली ने दिल्ली में एक प्रमोशनल कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि मैंने अभी खेलना नहीं छोड़ा है और मैं अभी खेल रही हूं। मेरा लक्ष्य अभी विश्व कप है जिसके लिए हम तैयारी कर रहे हैं। कोरोना के कारण विश्व कप क्वालीफायर रद्द हो जाने के बारे में पूछने पर मिताली ने कहा कि भारत क्वालीफायर का हिस्सा नहीं है, इसलिए वह इस पर कुछ नहीं बोलेंगी, लेकिन टीम अपनी विश्व कप की तैयारी कर रही है।

2021 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी की थी। इसके बाद भारत तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलने इंग्लैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका गई। हालांकि इन तीनों सीरीज में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को उनके घर पर कड़ी टक्कर दिया। मिताली की टीम ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की 26 मैचों की लगातार जीत के विश्व रिकॉर्ड को भी रोका।

लक्ष्मण को उम्मीद : अय्यर के साथ नहीं होगी नाइंसाफी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में ही सेंचुरी और हाफसेंचुरी जड़ श्रेयस अय्यर ने इतिहास रच डाला था। विराट कोहली की जगह उन्हें प्लेइंग XI में जगह मिली थी और अब कप्तान की वापसी के बाद उनको बाहर करने की चर्चा भी होने लगी है। श्रेयस ने जिस तरह न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में दबाव वाली परिस्थितियों में दोनों पारियां खेली थीं, उसके बाद से उनकी खूब तारीफ हो रही है। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि हेड कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान विराट उनके साथ नाइंसाफी नहीं होंने देंगे। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के शो 'फॉलो द ब्लूज' कहा कि श्रेयस ने दोनों पारियों में बल्लेबाजी की और सेंचुरी और हाफ सेंचुरी जड़ी। लेकिन दोनों पारियां उस समय आईं, जब टीम इंडिया दबाव में थी, तो ऐसे में यह उनका शानदार प्रदर्शन था। यह मुश्किल होगा लेकिन मुझे लगता है कि मयंक अग्रवाल दोनों पारियों में सहज नहीं दिखे और अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। चेतेश्वर पुजारा पारी की शुरुआत कर सकते हैं, वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। नंबर तीन पर अजिंक्य रहाणे को भेजा जा सकता है और फिर विराट नंबर-4 और श्रेयस अय्यर नंबर-5 पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो उन्होंने कानपुर में किया उसके बाद आप उनके प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। तो मुझे लगता है कि राहुल द्रविड़ और विराट कोहली के लिए यह फैसला लेना आसान नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि दोनों सही फैसला लेंगे और श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं करेंगे।

अश्विन के पास बड़ा मौका

मुंबई। मुंबई टेस्ट अश्विन के लिए बड़ा मौका बनने वाला है। इस टेस्ट में उनके पास नंबर वन गेंदबाज बनने का मौका भारत-न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में। नंबर वन का ये तमगा दोनों देशों के बीच खेली सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने से जुड़ा है। फिलहाल, इस लिस्ट में कीवी टीम के पूर्व तेज गेंदबाज रिचर्ड हेडली टॉप पर हैं। वहीं अश्विन उनके ठीक पीछे। लेकिन मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेले जाने वाले सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट में अश्विन हेडली को पीछे छोड़ टॉप पर काबिज हो सकते हैं। अश्विन हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने थे, उन्होंने हरभजन सिंह को पीछे छोड़ते हुए ये मुकाम छुआ था। अब भारत न्यूजीलैंड के बीच खेले टेस्ट में वो सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने के करीब हैं. अश्विन को रिचर्ड हेडली का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए मुंबई टेस्ट में आठ विकेट की दरकार है।

कोंटा ने 30 साल की उम्र में टेनिस को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की पूर्व नंबर चार खिलाड़ी जोहाना कोंटा ने 30 साल की उम्र में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। कोंटा 2017 में विंबलडन के

सेमीफाइनल में पहुंची थी।

वह पिछले 39 साल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले ब्रिटेन की पहली खिलाड़ी बनी थी। वह 2016 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में फ्रेंच ओपन के भी अंतिम चार में पहुंची। यूएस ओपन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2019 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचना रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने अपने कॅरिअर में चार डब्ल्यूटीए खिताब जीते।

करियर में नहीं जीत पाई ग्रैंड स्मैल

अपने टेनिस करियर में चौथी वरीयता हासिल करने वाली जोहाना कोंटा कभी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाईं। वह कई बार ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के सेमीफाइनल तक को पहंची लेकिन कभी फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इसके अलावा वह डबल्स में भी ग्रैंड स्लैम जीतने में नाकाम रहीं।

पहले दो टेस्टे के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय स्कॉड का ऐलान, एलेक्स कैरी टीम में

नई दिल्ली,एजेंसी। एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा हो गई है। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को भी शामिल किया गया है, जिनका टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करना तय है। टिम पेन पिछले कुछ सालों से ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट विकेटकीपर रहे हैं, लेकिन सेक्स्टिंग कांड पब्लिक होने के बाद उन्होंने पहले कप्तानी छोड़ी और फिर क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक ले लिया। पैट कमिंस ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान हैं, जबकि स्टीव स्मिथ उप-कप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा कि लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में एलेक्स कैरी का एक्सपीरियंस टीम के लिए काफी अहम साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, एलेक्स कैरी लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में टीम के नियमित खिलाड़ी रहे हैं खासकर वनडे टीम के। वह शानदार क्रिकेटर हैं और उनके आने से टीम को मजबूती मिलेगी। 30 साल के एलेक्स कैरी वाइट बॉल क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से 80 मैच खेल चुके हैं। पैट कमिंस (कप्तान), मार्कस हैरिस, उस्मान ख्वाजा, माइकल नेसेर, मिचेल स्टार्क, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन, झाय रिचर्ड्सन, मिचेल स्वेप्सन, क्रिस ग्रीन, ट्रैविस हेड, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ (उप-कप्तान), डेविड वॉर्नर।

संजू सैमसन के रिटेंशन पर बोले- कुमार सांगकारा, कहा- वह लंबे समय तक टीम के लीडर हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के धमाकेदार विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान संजू सैमसन को लेकर आईपीएल फ्रेंचाइजी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट कुमार सांगकारा ने बयान दिया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि संजू लंबे समय तक टीम के लीडर हैं, उनका रिटेंशन तय था, उनके रिटेन को लेकर किसी तरह की शंका नहीं थी। आईपीएल 2022 को देखते हुए राजस्थान रॉयल्स ने दो भारतीय और एक विदेशी खिलाड़ी को रिटेन किया है। भारतीय खिलाड़ियों में संजू सैमसन और अनकैप्ड खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल शामिल हैं। इसके अलावा फ्रेंचाइजी ने इंग्लैंड के जोस बटलर को भी रिटेन किया है। राजस्थान रॉयल्स द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कुमार सांगकारा ने कहा, हमने अपनी नई डेटा विश्लेषणात्मक टीम के साथ वास्तव में कड़ी मेहनत की, भारत और अमेरिका में हमारे सभी भागीदारों की मदद से हमने आखिरकार फैसला किया कि निश्चित रूप से संजू सैमसन, उनको रिटेन करने के बारे में कोई अड़चन नहीं थी, कप्तान नंबर वन। उन्होंने आगे कहा कि वह राजस्थान रॉयल्स के लंबे समय तक रहने वाले कप्तान हैं, वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं, उन्होंने यह बार-बार साबित किया है, वह राजस्थान के लिए बेशकीमती संपत्ति हैं। संजू सैमसन को साल 2021 में टीम का कप्तान बनाया गया था। साल 2018 में राजस्थान ने उन्हें 8 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। वहीं, 2022 आईपीएल के लिए फ्रेंचाइजी ने उन्हें 14 करोड़ रुपये में बतौर कप्तान रिटेन किया। सैमसन सबसे पहले रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ी थे। उसके बाद फ्रेंचाइजी ने 10 करोड़ में इंग्लैंड के जोस बटलर को रिटेन किया। मौजूदा समय में बटलर टी-20 के सबसे खतरनाक बल्लेबाज हैं। तीसरे खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी ने 19 वर्षीय यशस्वी जायसवाल को रिटेन किया। कुमार सांगकारा ने आगे कहा, हमने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बरकरार रखा है, वह भविष्य में स्टार बल्लेबाज साबित हो सकते हैं, उनके पास बहुत अच्छा प्री-रिटेंशन था, उनमें अद्भुत प्रतिभा है, वह बहुत जल्दी सीखने वाला हैं, वह एक मेहनती हैं और वह हमारा अनकैप्ड रिटेंशन होगा।

अंजू बॉबी जॉर्ज को विश्व एथलेटिक्स से वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला का पुरस्कार

मोनाको, एजेंसी। भारत की महान एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज को विश्व एथलेटिक्स ने देश में प्रतिभाओं को तराशने और लैंगिक समानता की पैरवी के लिये वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला का पुरस्कार दिया है। विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय अंजू (पेरिस 2003) को बुधवार की रात सालाना पुरस्कारों के दौरान इस सम्मान के लिये चुना गया। विश्व एथलेटिक्स ने एक विज्ञप्ति में कहा,'' पूर्व अंतरराष्ट्रीय लंबी कूद खिलाड़ी भारत की अंजू बॉबी जॉर्ज अभी भी खेल से जुड़ी है । उसने 2016 में युवा लड़कियों के लिये प्रशिक्षण अकादमी खोली जिससे विश्व अंडर 20 पदक विजेता निकली है।'' इसमें कहा गया ,'' भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की सीनियर उपाध्यक्ष होने के नाते वह लगातार लैंगिक समानता की वकालत करती आई हैं। वह खेल में भविष्य में नेतृत्व के लिये भी स्कूली लड़कियों का मार्गदर्शन कर रही हैं।''अंजू ने कहा कि वह यह सम्मान पाकर गौरवान्वित और अभिभूत हैं । उन्होंने ट्वीट किया ,'' सुबह उठकर खेल के लिये कुछ करने से बेहतर अहसास कुछ नहीं है ।मेरे प्रयासों को सराहने के लिये धन्यवाद।' विश्व एथलेटिक्स ने कहा कि भारत में खेलों को बढावा देने के लिये उनके प्रयासों और अधिक महिलाओं को उनका अनुसरण करने के लिये प्रेरित करने की वजह से वह खिताब की प्रबल दावेदार रहीं । अंजू ने विश्व एथलेटिक्स द्वारा ट्विटर पर डाले गए वीडियो में कहा ,'' मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि इस साल सर्वश्रेष्ठ महिला का पुरस्कार मुझे मिला है । एक खिलाड़ी के तौर पर सफर कठिन रहा लेकिन मेरा मानना है कि मैं वहां तक पहुंच सकी, जिसकी हकदार थी। अब खेल को कुछ देने की मेरी बारी है।'' उन्होंने कहा,'' भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की उपाध्यक्ष होने के नाते और अपनी अकादमी अंजू बॉबी जॉर्ज फाउंडेशन से मैं 13 महिला खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रही हूं जो तीन साल के भीतर विश्व स्तर पर अपना सफर शुरू करने के लिये तैयार हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' मैं अपने समर्थकों, साथी खिलाड़ियों, कोचों, परिवार, महासंघ और मेरे सफर में साथ खड़े रहे हर व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहती हूं ।'' केरल की रहने वाली अंजू ने आईएएएफ विश्व चैम्पियनशिप पेरिस में 2003 में कांस्य पदक जीता और 2005 में मोनाको में आईएएएफ विश्व एथलेटिक्स फाइनल्स में स्वर्ण पदक विजेता रही। वह 2004 एथेंस ओलंपिक में छठे स्थान पर रही थी लेकिन अमेरिका की मरियोन जोंस को डोपिंग मामले के कारण अयोग्य करार दिये जाने के बाद वह पांचवें स्थान पर आ गई। ओलंपिक चैम्पियन जमैका की एलेन थाम्पसन हेराह और नॉर्वे की कर्सटेन वारहोम को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया।